हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, मंगलवार 26 नवंबर 2024

तापमान

अधिकतम 30.0 डिग्री

न्यूनतम 14.4 डिग्री

11 एमआईसी में उठा जमीन का मुद्दा, मच्छर और अमृत...

12 उद्योग भवन के पास फूटी मेनराइजिंग लाइन...

पीजी की काउंसिलिंग एक साथ, कई छात्रों को मिल गई ऑल इंडिया और स्टेट कोटे की सीटें, अब एक छोड़ने होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

आमतौर पर आगे-पीछे होने वाली ऑल इंडिया और स्टेट कोटे की एमडी-एमएस की काउंसिलिंग इस बार एक साथ हो गई। इसकी वजह से कई छात्रों को अखिल भारतीय कोटे के साथ राज्य कोटे की सीट का आवंटन भी हो गया है। एडमिशन के दौरान वे एक कोटे की सीट छोड़ेंगे, जिसे दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में शामिल किया जाएगा। मनपसंद सीट के चुनाव को लेकर चिकित्सा छात्रों में संशय की स्थिति है। जानकारी के अनुसार रायपुर मेडिकल कालेज में ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिसमें एक ही छात्र को एक ही विभाग की सीट ऑल इंडिया और राज्य कोटे से आवंटित कर दी गई है। संबंधित छात्र इस बात को लेकर संशय में हैं कि ▶▶|शेष पेज 11 पर

एडमिशन के लिए चुनना होगा एक कोटा, संशय में एमडी-एमएस के छात्र

संचालनालय तक पहुंचा मामला

दो सूची में एक ही नाम होने का यह मामला चिकित्सा शिक्षा संचालनालय तक पहुंचा है। कुछ छात्रों ने काउंसिलिंग से जुड़े अधिकार्यों को इस बारे में बताया है। उनके द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पहले राउंड के एडमिशन के बाद राज्य कोटे की जो सीट खाली रहेगी, उसमें एडमिशन दूसरे दौर की काउंसिलिंग में पूरा किया जाएगा। अभी भी विद्यार्थी इस बात पर असमंजस में हैं कि उनके द्वारा किस कोटे की सीटों का त्याग किया जाए।

दोनों कोटे में आधी-आधी सीट

शासकीय मेडिकल कालेजों में संचालित एमडी-एमएस कोर्स की आधी सीट राज्य और आधी सीट ऑल इंडिया कोटे की होती है। राज्य के आधा दर्जन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के विभिन्न विषयों की 155 सीटों में अखिल भारतीय कोटे के माध्यम से एडमिशन दिया जाता है। पिछले कुछ सालों से स्नातक की तरह स्नातकोत्तर विषयों की ऑल इंडिया कोटे की खाली बची सीट राज्य को एडमिशन के लिए वापस नहीं की जाती है।

ऐसा मामला

- जेएन कालेज में एक छात्र को स्टेट और ऑल इंडिया कोटे से रेडियो डायग्नोसिस विभाग की सीट अलॉट।
- दूसरे छात्र को ऑल इंडिया से डीएनबी पीडिया, स्टेट कोटे से जेएन कालेज में रेस्पिरेटरी विभाग आवंटित।
- तीसरे को अखिल भारतीय कोटे से नेत्र रोग विभाग, राज्य कोटे से जेएन कालेज ईएनटी विषय में एडमिशन का मौका।

खबर संक्षेप

पुलिस ने बदमाशों को सिखाया सबक

रायपुर। सोशल मीडिया पर खुद को शहर का डॉन, माफिया, किंग बताने वाले बदमाशों को पुलिस ने अच्छा सबक सिखाया है। पुलिस ने बदमाशों का एक वीडियो बनाकर वायरल किया, जिसमें बदमाश कहते नजर आ रहे हैं, चाकू-छुरी रखना पाप है, पुलिस हमारा बाप है। सोशल मीडिया में चाकू-छुरी, पिस्टल के साथ फोटो अपलोड करने वाले बदमाशों की पुलिस ने जमकर क्लास ली। पुलिस ने जिन बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की है, उनमें मनीष मान्या, आकाश तथा दो अन्य बदमाश शामिल हैं।

उधार देने के बहाने महिला से रेप, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा पुलिस ने एक युवक को महिला से रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, महिला से रेप के आरोप में धर्मेंद्र कुमार दुबे को गिरफ्तार किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसने धर्मेंद्र से दो हजार रुपए उधार मांगे थे। पैसे देने आए धर्मेंद्र ने यूपीआई के माध्यम से पैसे ट्रांसफर किए, उसके बाद जबरन घर में घुसकर महिला का रेप किया।

सूने मकान से 30 हजार रुपए की चोरी

रायपुर। धरसींवा थाने में एक व्यक्ति ने अज्ञात के खिलाफ अपने सूने मकान में घुसकर नकदी 12 हजार रुपए सहित 30 हजार रुपए से ज्यादा के जेवर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, साहूपारा निवासी हेमंत वर्मा ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। हेमंत ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर उसके मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखी नकदी रकम तथा जेवर चोरी कर ले गया।

उपाध्याय आत्महत्या मामले में एसएसपी ने कहा प्रेम प्रसंग में था मृतक, वाट्सएप चैट में खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

रायपुर तहसील में पदस्थ क्लर्क प्रदीप उपाध्याय आत्महत्या केस में पुलिस की जांच में नया खुलासा हुआ है। इस जांच में मृतक के वाट्सएप चैट में प्रेम प्रसंग से संबंधित तथ्य मिले हैं। इसके बाद इस केस में नया मोड़ देखने को मिल सकता है। हालांकि इस केस की जांच शासन स्तर पर संभाग कमिश्नर महादेव कावरे द्वारा की जा रही है। पुलिस ने जांच रिपोर्ट कमिश्नर को सौंप दी है, लेकिन जांच अभी जारी है, इसलिए फिलहाल इस केस में सुसाइड नोट के आधार पर संबंधित अधिकारियों पर लगाए गए आरोप सही हैं या नहीं, इसका खुलासा कमिश्नर की जांच रिपोर्ट के आने पर ही हो पाएगा।

प्रदीप उपाध्याय आत्महत्या मामले में जांच के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पुलिस भी कर रही जांच

तय बिंदुओं पर करेंगे जांच

- महादेव कावरे, कमिश्नर रायपुर संभाग

जिन पर आरोप, उनके अब तक बयान दर्ज नहीं

मृतक ने सुसाइड नोट में तत्कालीन अपर कलेक्टर गजेंद्र सिंह ठाकुर, बीबी पंचभाई, एडीएम देवेंद्र पटेल के साथ कलेक्टर के स्टेनो पटेल के नाम का उल्लेख किया है। इस केस में इन चारों का भी बयान दर्ज होना है। सूत्रों के अनुसार इनमें से अब तक किसी ने भी अपना बयान दर्ज नहीं कराया है।

केस के लिए हैंडराइटिंग की जांच रिपोर्ट अहम

सुसाइट केस में पुलिस की जांच में जरूर मृतक के वाट्सएप चैट में प्रेम प्रसंग की कई बातों का पता चला है, लेकिन इसके बाद भी यह साबित नहीं हो पाया है कि उपाध्याय ने प्रेम प्रसंग से परेशान होकर सुसाइड किया है, क्योंकि सुसाइड नोट में जो बातें लिखी हैं, उसे भी पुलिस अनदेखा नहीं कर सकती, इसलिए इस केस में सबसे अहम सुसाइड नोट में पाई गई ▶▶|शेष पेज 11 पर

चैट में मिले सबूत, कमिश्नर को सौंपी रिपोर्ट

प्रदीप उपाध्याय केस में मृतक के मोबाइल के वाट्सएप चैट में प्रेम प्रसंग से संबंधित कई बातें मिली हैं। इससे आशंका है कि प्रेम प्रसंग के कारण उसने सुसाइड किया था।

- **संतोष सिंह**, एसएसपी, जिला रायपुर

जातिगत शब्दों के इस्तेमाल का भी आरोप

उल्लेखनीय है कि सुसाइट नोट में मृतक ने लिखा है कि वे पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से अपना काम कर रहे थे। डायवर्सन शाखा के साथ ही राजस्व आपदा का काम भी उन्हें सौंपा गया था। उन्होंने सभी अफसर व कर्मचारी पर कलेक्टर के सामने उसकी छवि खराब करने तथा जातिगत शब्दों का इस्तेमाल कर उसे प्रताड़ित किए जाने का भी आरोप लगाया था।

प्रदीप उपाध्याय केस में कर्मचारियों के भी लिए गए बयान

उपाध्याय सुसाइड केस में संभाग कमिश्नर ने 20 नवंबर तक इस केस से जुड़े लोगों व कर्मचारियों को गवाही एवं बयान देने के लिए संभाग कार्यालय बुलाया था। इस दौरान तहसील कार्यालय में जिस तहसीलदार के कोर्ट कक्ष में उपाध्याय लिपिक के पद पर पदस्थ था, उसके तहसीलदार से लेकर कर्मचारियों के इस केस में बयान लिए गए हैं। इसके अलावा तहसील कार्यालय के अन्य कर्मचारियों के साथ कलेक्टोरेट के राजस्व विभाग के कुछ कर्मचारियों को भी इस केस में बयान देने के लिए बुलाया गया था। सूत्रों के अनुसार इस केस में अब तक कई कर्मचारियों से बयान लिए जा चुके हैं।

महादेव सट्टे में दवा कारोबारी गिरफ्तार, खाते में हुए थे करोड़ों के ट्रांजेक्शन

- दवा कारोबारी के खिलाफ देश के अलग-अलग राज्यों में अपराध दर्ज होने की बात सामने आ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ओडिशा, कटक पुलिस सड्डू निवासी एक दवा कारोबारी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर अपने साथ ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई है। ओडिशा पुलिस ने दवा कारोबारी को उसके अकाउंट में महादेव सट्टा के करोड़ों रुपए ट्रांजेक्शन होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दवा कारोबारी के खिलाफ उत्तरप्रदेश, लखनऊ में भी अपराध दर्ज है। लखनऊ पुलिस ने दवा कारोबारी को नोटिस जारी कर पूछताछ करने तलब किया था, लेकिन दवा कारोबारी पेश नहीं हुआ।

अश्विनी ने पुलिस को यह बताया

अश्विनी ने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि दवा कारोबार में नुकसान होने की वजह से उसने लोन के लिए आवेदन दिया था। इस दौरान किसी ने उसके दस्तावेज का गलत इस्तेमाल करते हुए उसके नाम से अकाउंट खोल गलत लेन-देने के लिए इस्तेमाल किया।

कटक पुलिस ने अश्विनी पाल को उसके अकाउंट में करोड़ों रुपए ट्रांजेक्शन होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक अश्विनी वर्ष ▶▶|शेष पेज 11 पर

सड़क पर खुलेआम गुंडागर्दी, दो गुट भिड़े, जमकर चले लाठी-डंडे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेलीबांधा, राजेंद्र नगर थाने में दोनों पक्ष ने एक दूसरे के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

लेन-देन के विवाद पर दो पक्षों ने सरे राह गुंडागर्दी करते हुए एक दूसरे के साथ जमकर मारपीट की। मारपीट करने का सीसीटीवी फूटेज वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में कुछ लोग युवक की लाठी-डंडे से पिटाई करते दिख रहे हैं। मारपीट से बचने युवक रिंग रोड स्थित इलेक्ट्रिक दुकान में घुसता है, तब लड़के इलेक्ट्रिक दुकान में घुसकर मारपीट करते हैं। घटना तेलीबांधा तथा राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के बीच की है। राजेंद्र नगर थाने की पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर दोनों पक्षों के आधा दर्जन बदमाशों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और जेल दाखिल कर दिया है।

तेलीबांधा पुलिस के मुताबिक अमलीडीह निवासी दिलप्रीत सिंह जो पेशे से ऑटो चालक है, ने अपने परिचित अन्नू यादव तथा उसके भाई संतोष यादव के खिलाफ डंडे से मारपीट ▶▶|शेष पेज 11 पर

घटना देख ग्राहक सहम गए

लड़के इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के अंदर जब मारपीट कर रहे थे, इस दौरान शोरूम में ग्राहक उपस्थित थे, जिनमें महिलाओं के साथ बच्चे शामिल थे। शोरूम के अंदर ▶▶|शेष पेज 11 पर

दूसरे दिन दिलप्रीत ने की पिटाई

राजेंद्र नगर पुलिस के अनुसार तेलीबांधा थाना क्षेत्र में मारपीट की घटना के दूसरे दिन दिलप्रीत ने मारपीट करने वाले एक लड़के को देख लिया। इसके बाद उसने अपने अन्य साथियों के साथ उस लड़के की पिटाई की। मारपीट से बचने दूसरे पक्ष का लड़का रिंग रोड स्थित पीडब्लूडी ब्रिज के नीचे एक इलेक्ट्रिक शो-रूम में बचने के लिए घुसा। गुस्साए लड़के शो-रूम के अंदर दाखिल हो गए और दूसरे पक्ष के लड़के की लाठी-डंडे से जमकर पिटाई की।

अप्रैल 2019 के पूर्व के सभी वाहनों में एचएसआरपी लगाना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सुप्रीम कोर्ट तथा केंद्रीय परिवहन मंत्रालय के निर्देश पर अप्रैल 2019 के पूर्व के राज्य के सभी दोपहिया के साथ चारपहिया वाहन मालिकों को अपने वाहन में हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। वाहनों में एचएसआरपी नहीं लगाने वालों के खिलाफ जुर्माना ▶▶|शेष पेज 11 पर

बैठक में इन बिंदुओं पर चर्चा

- एचएसआरपी लगाने वाले अधिकृत वेंडर राज्य के 14 जिले जीपीएम, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोंडागांव, मुंगेली, बेमेतरा, कवर्धा, कोरबा, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर तथा रायपुर में एचएसआरपी लगाने का काम करेंगे।
- एचएसआरपी लगाने भुगतान करने का मैथर्ड डिजीटल रहेगा।

▶▶|शेष पेज 11 पर

मोबाइल एप से सेहत की जांच, चलेगा 'देश का प्रकृति परीक्षण' अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आयुष मंत्रालय अब मोबाइल एप की मदद से लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करेगा और उन्हें अलग-अलग मौसम में बरती जाने वाली सावधानी से अवगत कराएगा।

- विज्ञान महाविद्यालय सभागार में आज कार्यक्रम का आयोजन

संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार से 'देश का प्रकृति परीक्षण' अभियान की शुरूआत होगी। राज्य में इसकी शुरुआत के लिए शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली द्वारा अभियान के क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ ▶▶|शेष पेज 11 पर

समन्वयक बनाए जाएंगे

डॉ. शुक्ला ने बताया कि इस अभियान के लिए संचालनालय आयुष द्वारा समस्त शासकीय एवं निजी आयुर्वेद महाविद्यालयों के प्राचार्य, जिला आयुष अधिकारियों तथा आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों, शासकीय एवं संविदा आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों, राष्ट्रीय आयुष मिशन में पदस्थ आयुर्वेद चिकित्सकों को अभियान में सक्रियता के साथ भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस अभियान के प्रभावी कियान्वयन के लिए संचालनालय द्वारा समस्त जिलों में जिला समन्वयकों की नियुक्ति की गयी है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

विधायक सोनी ने विस में जमा किए निर्वाचन प्रमाणपत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में नवनिर्वाचित सदस्य सुनील कुमार सोनी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय में विधानसभा संबंधी कार्यों के लिए आवश्यक प्रपत्रों की पूर्ति की एवं विधानसभा भवन स्थित शाखाओं द्वारा सम्पादित कार्यों तथा सदस्यों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की पूरी जानकारी ली। उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त निर्वाचन प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किये। विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा द्वारा श्री सोनी का पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

एमआईसी सदस्य ने किया मितानिनों का सम्मान

रायपुर। मितानिन दिवस के अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य आकाश तिवारी ने मितानिनों का तिलक लगाकर स्वागत किया। और उन्हें वस्त्र देकर सम्मानित किया। मितानिनों का हौसला बढ़ाने राजधानी के पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड में सोमवार को कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस मौके पर मितानिन दीदी का सम्मान करते हुए वार्ड पार्षद आकाश तिवारी ने कहा कि कार्यक्रम के क्रियान्वयन में मितानिन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस मौके पर सावित्री साहू मीरा साहू लता गौतम राजेश्वरी सोरठे कृष्ण राव सोफिया, सलित बरमे प्रमुख रूप से उपस्थित रही।

कैबिनेट की बैठक आज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 26 नवंबर को दोपहर 12 बजे राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर में आयोजित की गई है। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और निर्णय होने की संभावना है। जानकारों का अनुमान है कि बैठक में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के संबंध में चर्चा होगी। इस सत्र में सरकार कुछ महत्वपूर्ण विधेयक ला सकती है। इसके साथ ही राज्य में जल्द होने वाले नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायती राज के चुनाव के संबंध में निर्णय होना है। दरअसल सरकार चाहती है कि ये दोनों चुनाव एक साथ कराए जाएं। इस संबंध में सरकार को ऋचा शर्मा कमेटी की अनुशंसा मिल चुकी है। अब सरकार को यह निर्णय लेना है कि ये दोनों चुनाव एक साथ कराएं या नहीं। माना जा रहा है कि मंत्रिपरिषद की कल होने वाली बैठक में इस पर विचार कर निर्णय लिया जा सकता है।

खंबों पर नहीं लगाई स्ट्रीट लाइट, विधायक से की शिकायत

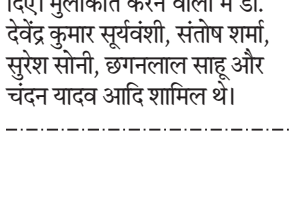

रायपुर। स्ट्रीट लाइट की समस्या को लेकर श्री साईं दर्शन आवासीय समिति साईंनगर जोरा के रहवासियों ने संयुक्त हस्ताक्षर अभियान चलाया। साथ ही सोमवार को विधायक अनुज शर्मा से मुलाकात की और अपनी समसयाओं से अवगत कराया। इसी दौरान उन्होंने बताया कि जोरा के कैनाल रोड पर एक दुर्गा मंदिर से लेकर दूसरे दुर्गा मंदिर चौक साहूपारा से होते हुए नवनिर्मित बालाजी कैंसर रिसर्च अस्पताल तक अनेक बिजली के खंबों पर आज तक नगर निगम द्वारा स्ट्रीट लाइट नहीं लगाई गई है. विधायक ने उनकी समस्या को गंभीरता से लिया और तत्काल संबंधित जोन कमिश्नर को प्रभावित क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए कॉल किया। साथ ही लिखित में भी समुचित दिशा-निर्देश दिए। मुलाकात करने वालों में डॉ. देवेंद्र कुमार सूर्यवंशी, संतोष शर्मा, सुरेश सोनी, छगनलाल साहू और चंदन यादव आदि शामिल थे।

चढ़ने के बजाय लुढ़का पारा, माना का टेंप्रेचर बिलासपुर से भी कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वातावरण में मध्य स्तर पर नमी आने के बाद भी रात का तापमान चढ़ने के बजाय लुढ़क रहा है। पिछले चौबीस घंटे में माना का न्यूनतम पारा 13 डिग्री जा पहुंचा, जो बिलासपुर के टेम्प्रेचर से भी कम है। अंबिकापुर, बलरामपुर जैसे शहरों में शीतलहर का प्रकोप जारी है।

नमी के बीच प्रदेश में शुष्क हवाओं का आगमन जारी है, जिसकी वजह से पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के तापमान का ग्रॉफ ऊपर के बजाय नीचे चला गया। अभी अंबिकापुर, बलरामपुर, कोरिया, सूरजपुर जैसे क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। वहां के सीमावर्ती क्षेत्रों में तो शीतलहर का प्रभाव है और मैनपाट, डूमरबहार जैसे इलाकों में तापमान छह डिग्री के करीब पहुंच गया है और वहां शाम होने के बाद कंपकंपी छूट रही है। रायपुर में भी पिछले चौबीस घंटे में ठंड कम होने के बजाय बढ़ गई है, यहां का न्यूनतम पारा 14.4 तक जा पहुंचा है। इसके अलावा माना में न्यूनतम तापमान 13 था, जो बिलासपुर से भी कम है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है, जिस सिस्टम की वजह से पारे में वृद्धि होने की संभावना थी, उसका असर कम है। इसलिए मौसम में ज्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है। अगले चौबीस घंटे में भी सरगुजा के एक-दो जिलों में शीतलहर की स्थिति रहने के आसार हैं।

न्यूनतम तापमान

रायपुर	14.4
माना	13.0
बिलासपुर	14.4
पेंड्रा	10.0
अंबिकापुर	9.4
जगदलपुर	12.6
दुर्ग	12.0

समस्या : किसान बेच नहीं पा रहे धान

ऑनलाइन सिस्टम में किसी का रकबा घटा, किसी का कुछ हेक्टेयर ही बता रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले में किसानों को धान बेचने में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कहीं सोसाइटियों में टोकन जारी नहीं किया जा रहा है, तो कहीं टोकन जारी होने के बाद 3 से 7 दिन के बाद किसान अपना धान बेच पा रहे हैं। इन परेशानियों के साथ किसानों के सामने अब ऑनलाइन सिस्टम में रकबा घटने की बड़ी समस्या सामने आने लगी है। ऑनलाइन पोर्टल में किसी का रकबा घटा दिया गया है, तो किसी किसान का कई एकड़ फसल की जगह कुछ हेक्टेयर धान दिखा रहा है, जिसके कारण किसानों की परेशानी और बढ़ गई है। ऐसे कुछ किसानों के मामले सेजबहार क्षेत्र के ग्राम दतरेंगा उपार्जन केंद्र में मिले हैं, जो अपना धान बेच नहीं पा रहे हैं। इस सोसाइटी के प्रबंधक का कहना है कि जिन किसानों का रकब पोर्टल में कम बता रहा है, उन्हें दुरुस्त करने के लिए संबंधित सहकारी बैंक को जानकारी दे दी है।

खास खबर

दुरुस्तीकरण के लिए सहकारी बैंक को पत्र लिखा

चारों किसानों का पोर्टल में रकबा घटा बता रहा है। इनमें दो किसानों ने टोकन कटने के बाद कैंसिल करा लिया है, वहीं अन्य दो किसानों ने टोकन नहीं कटाया है। इन चारों किसानों का रकबा दुरुस्तीकरण के लिए सहकारी बैंक शाखा कार्यालय को पत्र भेजकर सूचित किया है।

- जयकुमार सपहा
प्रबंधक, ग्राम दतरेंगा
उपार्जन केंद्र सेजबहार

रकबा घटने से बढ़ी छोटे किसानों की परेशानी

ग्राम दतरेंगा धान उपार्जन केंद्र में 4 किसानों का रकबा पोर्टल में कम बता रहा है। इनमें से दो किसानों का टोकन भी जारी हो चुका है, लेकिन टोकन कटने के दौरान जब किसानों को पता चला कि उनका रकबा ऑनलाइन में कम बता रहा है, तो किसानों ने अपना धान बेचने से इनकार कर दिया। किसानों का कहना है कि जब तक ऑनलाइन में उनका रकबा सही नहीं बताएगा, वे अपना धान नहीं बचेंगे। इसी प्रकार अन्य दो किसानों ने टोकन जारी कराने से पहला पोर्टल में अपना रकबा का पता लगाया। इन किसानों को पता चला कि ऑनलाइन में धान की पैदावर एकड़ की जगह कुछ हेक्टेयर ही बता रहा है। इसीलिए ये किसान भी अपना धान बेच नहीं पा रहे हैं।

इन किसानों का पोर्टल में घटा रकबा

ग्राम कांदुल निवासी भागीरथी का पोर्टल पर 38 क्विंटल धान का रकबा बता रहा है, जबकि किसान का कहना है कि पिछले कई वर्षों से वह 55 क्विंटल धान सोसाइटी में बेचते आ रहे हैं। इसी प्रकार ग्राम कुरुद निवासी अजय पाल का भी पोर्टल में आधा एकड़ रकबा धान दिखा रहा है, जबकि उनका दो एकड़ से अधिक का रकबा है। इसी प्रकार धनेस आधार का पोर्टल में 10-12 क्विंटल ही धान बता रहा है, जबकि उसका 5 एकड़ रकबा धान है। तुलाराम यादव का भी ऑनलाइन में करीब 8 क्विंटल धान बता रहा है, जबकि उसका 4 एकड़ रकबा धान है। इन किसानों में भागीरथी और अजय को टोकन जारी हो चुका है, वहीं धनेस व तुलाराम ने रकबा घटने के कारण अपना टोकन कटाया नहीं है। ये चारों किसान टोकन कटाने सोसाइटी पहुंचे थे।

मार्कफेड एमडी ने कहा- टोकन में कोई दिक्कत नहीं, सोसाइटी से 40 प्रतिशत मैनुअल काटने की अनुमति

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी टोकन लेने में कोई दिक्कत नहीं है। यह दावा मार्कफेड एमडी ने रमेश शर्मा ने किया है। उन्होंने बताया कि समितियों को 40 प्रतिशत मैनुअल टोकन काटने की अनुमति है। वहीं साफ्टवेयर के माध्यम से 60 प्रतिशत टोकन दिए जा सकेंगे। किसानों को धान खरीदी के लिए ऑनलाइन टोकन लेने की दिक्कत को देखते हुए यह प्रावधान किया गया है। प्रदेश में एक सप्ताह से धान खरीदी की जा रही है। मैनुअल टोकन की सुविधा 10 दिसंबर से समितियों में शुरू होगी। उल्लेखनीय है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए लागू की गई 'टोकन तुंहर हाथ' मोबाइल एप प्रणाली किसानों के लिए राहत से ज्यादा चिंता का कारण बन गई है। तकनीकी समस्याओं और समिति खरीदी क्षमता के कारण किसान टोकन कटवाने के लिए घंटों लाइन में लगने को मजबूर हैं। मार्कफेड का इस एप को लाने का उद्देश्य था कि किसानों को समितियों के चक्कर लगाने से बचाया जाए, लेकिन यह योजना अपने उद्देश्य से में विफल होती दिख रही है। एप सुबह 9.30 बजे चालू होता है, लेकिन जैसे ही किसान टोकन काटने की कोशिश करते हैं, सर्वर डाउन या एप स्लो हो जाता है। जिन किसानों को एप कनेक्ट करने का मौका मिलता है, उन्हें दो-चार मिनट के अंदर टोकन काटने का प्रयास करना पड़ता है, 4 मिनट के अंदर खरीदी केंद्र की लिमिट खत्म हो जाती है। समितियों से टोकन कटने से किसानों को इस परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

पुराने बारदानों की कमी

वहीं मिलर्स भी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिससे खरीदी केंद्रों में पुराने बारदाने की समस्या हो रही है। खरीदी के सप्ताहभर में ही खरीदी के लिए बारदाना नहीं मिलने से खरीदी प्रभावित होने लगी है। वहीं कई खरीदी केंद्रों में किसानों को स्वयं के बारदाने में धान लगाने को बोलने लगे हैं, तो वहीं कई जगह बारदाने की कमी से खरीदी नहीं होने की सूचना भी गांव में दी जा रही है।

संग्रहण केंद्रों में जमा होंगे धान

जिलों में राइस मिलर्स का पंजीयन नहीं होने के कारण उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव नहीं हो रहा है। राइस मिलर्स मिलिंग दर कम किए जाने को लेकर नाराज हैं। मिलर्स ने पूरे प्रदेश में पंजीयन न कराने का निर्णय लिया है। ऐसे में उपार्जन केंद्रों में धान जाम होने की संभावना को देखते हुए मार्कफेड ने संग्रहण केंद्रों में धान को सुरक्षित रखने का निर्णय लिया है। जिन जिलों के द्वारा इसकी मांग की जाएगी, उनको अनुमति दी जाएगी। मार्कफेड एमडी रमेश शर्मा ने बताया कि धमतरी जिले ने इसकी अनुमति मांगी है। वहां पर धान संग्रहण केंद्र में रखा जा रहा है। अन्य जिलों के द्वारा अनुमति मांगने पर वहां का धान भी संग्रहण केंद्रों में सुरक्षित रखा जाएगा।

धान के अवैध भंडारण-बिक्री पर कार्रवाई, जिले में 19 प्रकरण में 442 क्विंटल धान जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिले में धान की अवैध बिक्री एवं भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले में अब तक 19 प्रकरण में कार्रवाई करते हुए 442.60 क्विंटल धान को जब्ती बनाया गया है।

जिले में की गई कार्रवाई में सारागांव खरीदी केंद्र में वीरनारायण देवांगन, गणेश राम साहू, सौरभ ट्रेडर्स, नवापारा में अमित सोनी, पारागांव में संजय यादव, कुर्रा में हरिराम साहू, श्रीसांई ट्रेडर्स, श्रीमाता राजिम ट्रेडर्स, सेम्हरा में सेवक राम साहू, तर्री में तुलाराम किराना स्टोर्स, आरंग में भरत साहू, भोथली में बंधु जनरल स्टोर्स, गुल्लू में दिनेश ट्रेडर्स, तुलसी में सोनू अग्रवाल, तरपोंगी में उमेंद्र वर्मा, मोहंदा में राम कल्याण पटेल, सरारीडीह में रामनांद देवांगन, पलौद में रूपेंद्र साहू, सातपारा में जितेंद्र यादव पर

इस तरह के प्रकरणों में की गई कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि मंडी द्वारा ऐसे फुटकर व्यापारी जिनके द्वारा निर्धारित क्रय सीमा से अधिक मात्रा में धान क्रय कर भंडारित किया गया है। अवैध बिक्री उपार्जन में समर्थन मूल्य एवं बोनस सहित 3100 रुपए प्रति क्विंटल का लाभ प्राप्त करने वालों के खिलाफ कृषि उपज मंडी अधिनियम के उल्लंघन पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा व्यापारियों द्वारा बिना अनुज्ञा पत्र बिना मंडी शुल्क कृषक कल्याण शुल्क जमा किये, परिवहन करते या विक्रय करते पाए जाने वालों पर भी कार्रवाई की गई है।

संविधान दिवस पर लोकतंत्र सेनानी आज दिल्ली में करेंगे विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्णय पर देशभर के लोकतंत्र सेनानी 26 नवंबर को संविधान दिवस पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर विशाल धरना प्रदर्शन करेंगे। लोकतंत्र का हत्यारा कौन? उसकी जांच करवाने के लिए केन्द्र शासन से मांग करेंगे। देश की जनता को बताया जाए कि आजादी के बाद से अब तक कांग्रेस ने कब-कब संविधान की हत्या अपने निहित स्वार्थ के लिए की। सन 1975 से 1977 के मध्य लगाया गया आपातकाल लोकतंत्र व संविधान की हत्या का सबसे बड़ा प्रमाण है। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने और प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर तिवारी ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने प्रतिवर्ष 25 जून को लोकतंत्र की हत्या दिवस घोषित किया है, उसका स्वागत करते हैं। मगर भावी पीढ़ी को यह जानने का नैतिक अधिकार है कि आखिर लोकतंत्र का हत्यारा कौन है। किस वजह से 25 जून को लोकतंत्र का हत्या दिवस मना रहे हैं। यह घोर अपराध किसने किया? क्यों लाखों निरपराध लोगों को 21 माह तक जेल की यातनाएं दी गई।

प्रदेश में छह हजार से ज्यादा बूथों में बनी कमेटियां, 25 हजार बूथ में होना है चुनाव

50 से कम सदस्य वाले बूथों में बनेगी एडहॉक कमेटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा में संगठन चुनाव प्रारंभ हो गया है। पहले चरण में 30 नवंबर तक बूथों में कमेटियों का चुनाव किया जा रहा है। पहले 20 और 21 नवंबर को मंडलों में कार्यशाला का आयोजन करके बूथ कमेटियों के गठन के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद 23 नवंबर से लगातार बूथों में चुनाव हो रहा है। अब तक छह हजार से ज्यादा बूथों में कमेटियों का गठन कर लिया गया है। प्रदेश के संगठन चुनाव प्रभारी खूबचंद पारख के मुताबिक, जिन बूथों में 50 से कम सदस्य बने हैं, उनमें बूथ कमेटियां के स्थान पर एडहॉक कमेटी बनाई जाएगी। यह कमेटी बाद में जब सदस्य संख्या को 50 या इससे ज्यादा कर लेगी तो उन बूथों में बूथ कमेटियां बना दी जाएंगी।

सदस्यता अभियान में इस बात का खुलासा हुआ है कि भारी संख्या में ऐसे बूथ हैं, जहां पर 50 से कम सदस्य बने हैं। इसको लेकर पार्टी ने फरमान जारी किया कि ऐसे बूथों में सदस्यता अभियान समाप्त होने से पहले हर हाल में 50 सदस्य बना लिए जाए। वैसे तो अभी सदस्यता अभियान समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन इसके पहले बूथ कमेटियों का चुनाव प्रारंभ हो गया है। सदस्यता अभियान भी जहां 30 नवंबर तक चलेगा, वहीं बूथों में कमेटियों का चुनाव भी 30 नवंबर तक ही होना है। थोक में अब भी ऐसे बूथ हैं, जहां पर 50 से कम सदस्य बने हैं। ऐसे में दिल्ली में हुई राष्ट्रीय संगठन की बैठक में यह फैसला हुआ है कि जहां पर 50 से कम सदस्य हैं, वहीं पर एडहॉक कमेटी का गठन किया जाएगा। इसके बाद इस कमेटी के सदस्यों को अपने बूथों में संख्या को 50 या इससे ज्यादा तक ले जाने का जिम्मा होगा।

बूथों पर 30 तक होगा चुनाव

भाजपा के प्रदेश संगठन के लिए सबसे पहले बूथ स्तर पर चुनाव कराया जा रहा है। प्रदेश में करीब 25 हजार बूथ हैं। भाजपा ने सदस्यता अभियान में हर बूथ में 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन दिल्ली में जो सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक हुई, उसमें यह बात सामने आई है कि प्रदेश में सैकड़ों बूथ ऐसे हैं, जहां पर 50 से भी कम सदस्य बने हैं। ऐसे बूथों में बूथ कमेटियों का चुनाव ही नहीं हो सकेगा। भाजपा पदाधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में कई बूथ ऐसे हैं, जहां पर मतदाताओं की संख्या बहुत कम है। ऐसे बूथ छोड़कर ज्यादा संख्या वाले बूथों में हर हाल में सदस्यता अभियान समाप्त होने से पहले 50 सदस्य बनाने के लिए कहा गया है। जहां पर सदस्यता अभियान के बाद भी 50 सदस्य नहीं बन पाएंगे, उन बूथों में चुनाव नहीं, लेकिन वहां पर एडहॉक कमेटी बना देंगे, वही काम करेगी।

अदालतों में जवाबदावा पेश करने वाले अफसर क्यों पेश नहीं हो रहे हैं महाधिवक्ता कार्यालय में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

न्यायालयों में सरकार की ओर से जवाबदावा पेश करने की जिम्मेदारी जिन प्रभारी अधिकारी और नोडल अधिकारी की है, वे खुद महाधिवक्ता के समक्ष में पेश नहीं हो रहे हैं। यही नहीं, इन अधिकारियों की जगह दूसरे अधिकारी महाधिवक्ता कार्यालय में हाजिर हो रहे हैं। इस पूरे मामले सरकार ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। सरकार ने कहा है कि ऐसा करना भारतीय न्याय संहिता के विपरीत है। ऐसा कृत्य करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगर निगमों के आयुक्त पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को निर्देश जारी किया है। कहा गया है कि राज्य शासन के ध्यान में यह बात लाई गई है कि कतिपय विभाग में न्यायालय में प्रस्तुत होने वाले प्रकरणो में जवाब दावा प्रस्तुत करने के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारी, नोडल अधिकारी के स्थान पर संबंधित दस्तावेजों के साथ अन्य अधिकारी महाधिवक्ता कार्यालय में उपस्थित हो रहे हैं। अब निर्देश दिया दया है कि न्यायालयों में प्रस्तुत होने वेला प्रकरणों में जवाबदावा प्रस्तुत करने के लिए सुसंगत दस्तावेजों के साथ प्रकरण के प्रभारी अधिकारी ही महाधिवक्त कार्यालय में उपस्थित हों। इसके अलवा कतिपय विशेष प्रकरणों में प्रशासकीय विभाग में नियुक्त नोडल अधिकारी स्वयं प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य संपादित कर सकेंगे।

> ■ सरकार ने चेताया और दी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

राज्य में 16 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का किया गया था गठन

ओबीसी कल्याण आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल 2 साल के लिए बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के साथ अध्यक्ष व सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष के लिए बढ़ गया है। इस संबंध में राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है। यह आदेश 21 नवंबर को आदिम जाति, अनूसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में 16 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया था। इस आयोग का गठन त्रिस्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के चुनाव के पूर्व प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण तय करने के लिए किया गया है। आयोग का गठन 3 महीने के लिए किया गया था। इसमें अध्यक्ष के अलावा सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है। आयोग ने ओबीसी वर्ग का आरक्षण तय करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में ओबीसी वर्ग की शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति के आंकड़ों की रिपोर्ट तैयार कराई है।

रिपोर्ट तैयार करने के बाद आयोग का कार्यकाल भी खत्म हो गया था, लेकिन अब आयोग का कार्यकाल 2 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। इसी के साथ आयोग के अध्यक्ष सहित सदस्यों का कार्यकाल भी दो वर्ष के लिए बढ़ गया है।

डॉ. सोनी डी-लिट की उपाधि से सम्मानित

रायपुर। नगर निगम के सेवानिवृत्त अपर आयुक्त डॉ. जेआर सोनी को देशबड विश्वविद्यालय जाम्बिया अफ्रीका से मानद डी-लिट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। बाबा गुरु घासीदासजी के जीवन दर्शन पर आधारित ग्रंथ सतनाम रहस्य एवं वैश्विक सतनाम धर्म का स्वरूप तथा दर्शन ग्रंथ पर डी-लिट की उपाधि प्रदान की गई है। सितंबर माह में छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति रायपुर द्वारा स्व. हरि ठाकुर सम्मान से भी उन्हें सम्मानित किया गया। श्री सोनी को उपाधि मिलने पर गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के प्रदेश अध्यक्ष केपी खंडे, सुंदरलाल जोगी, डीएस पात्रे, खेदूराम बंजारे, चेतन चंदेल आदि ने शुभकामनाएं दी हैं।

मात्र 3400 विद्यालयों में होगा 'सरप्राइज टेस्ट' लेकिन मॉक टेस्ट प्रदेशभर में, क्योंकि केंद्र ने नहीं बताए स्कूलों के नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के निजी और सरकारी विद्यालयों में इन दिनों मॉक टेस्ट का दौर चल रहा है। ये मॉक टेस्ट किसी प्रतियोगी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए नहीं, बल्कि केंद्र द्वारा जारी की जाने वाली रैंकिंग में छग को अच्छे अंक दिलाने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। दरअसल केंद्र सरकार द्वारा कुछ वर्षों के अंतराल में 'परख' नामक परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

- सभी राज्यों में होगी यह परीक्षा, पिछली बार छग को मिला था 32वां स्थान

इस परीक्षा के आधार पर तय होगा नेशनल अचीवमेंट सर्वे में स्थान

मिला था सबसे निचला पायदान

सर्वप्रथम नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2012 में किया गया था। उस वक्त प्रदेश को 36वां स्थान मिला था। यह सबसे अंतिम पायदान था। इसके बाद प्रदेश में डॉ.एपीलें अब्दुल कलाम शिक्षा गुणवत्ता अभियान चलाया गया। इसके कारण बच्चों के प्रदर्शन में थोड़ा सुधार हुआ था। कुछ वर्षों बाद हुए सर्वे में छग को 17वां स्थान मिला। कोविड के बाद पुनः नेशनल अचीवमेंट सर्वे कराया गया। इसमें प्रदेश को 32वां स्थान मिला। अब एक बार फिर से परीक्षा होने जा रही है। इसमें बेहतर रैंक के लिए ही समग्र शिक्षा विभाग द्वारा मशक्कत की जा रही है। पहला मॉक टेस्ट 18 नंवबर को और दूसरा मॉक टेस्ट 25 नवंबर को लिया गया। अंतिम मॉक टेस्ट 29 नवंबर को होगा।

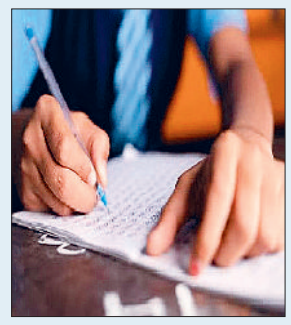

केंद्र देगा ओएमआर शीट, आएंगे निरीक्षक

निजी स्कूलों को भी यह मॉक टेस्ट आयोजित करने कहा गया है। फिलहाल ब्लैकबोर्ड पर छात्रों को ओएमआर शीट बनाकर समझाया जा रहा है कि उन्हें किस तरह से इसे भरना है। मुख्य परीक्षा के दिन केंद्र द्वारा ओएमआर शीट दी जाएगी। छात्रों से बहुवैकल्पिक सवाल पूछे जाएंगे। किसी तरह की निगेटिव मार्किंग इसमें नहीं होगी। तीसरी, छठवीं और नवमी के विद्यार्थियों को इस परीक्षा में शामिल किया जाएगा। जिन स्कूल के विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल किया जाएगा, उनके नाम 24 से 48 घंट पहले ही बताए जाएंगे। निरीक्षण के लिए केंद्र से टीम आएगी।

यह परीक्षा पूरे देश के स्कूलों में आयोजित होती है। इसमें छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर राज्यों को रैंक दिया जाता है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे के अंतर्गत ये रैंक जारी होते हैं। इस बार यह परीक्षा 4 दिसंबर को होगी।

केंद्र सरकार राज्य के सभी स्कूलों में ये परीक्षाएं नहीं करवाता, बल्कि विभिन्न आधार पर विद्यालयों का चयन उनके द्वारा किया जाता है।अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, इस बार प्रदेश के 52 हजार स्कूलों में से मात्र 3 हजार 400 विद्यालयों में ही ये परीक्षा केंद्र द्वारा ली जाएगी, लेकिन प्रदेश के सभी स्कूलों में इसका आयोजन किया जा रहा है ताकि छत्तीसगढ़ की स्थिति सुधर सके और अच्छा रैंक मिले।

निधन

रविंद्र कुमार वर्मा

रायपुर। जशपुर निवासी हिंदी के प्रतिष्ठित साहित्यकार रविंद्र कुमार वर्मा (70) का 25 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 नवंबर को जशपुर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे सौरभ और साकेत के पिता थे।

राजेंद्र गुप्ता

रायपुर। नयापारा सुमित्रा सदन निवासी गोलबाजार व्यवसायी राजेंद्र गुप्ता का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 नवंबर को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे सुनील, अरुण, शैलेंद्र, धीरेंद्र गुप्ता के भाई एवं भाजपा नेता केदार गुप्ता के चचेरे भाई थे।

सैमसन मेनुएल

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर निवासी सैमसन मेनुएल (74) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 नवंबर को सेंट पॉल्स प्रभु की वाटिका में किया गया। वे निशा मेनुएल के पति और सिल्वेस्टर, सोफिया के पिता एवं अरुण मेनुएल, रविंद्र मेनुएल, शालिनी मेनुएल व रोजी मेनुएल के भाई थे।

सैय्यद आरिफ अहमद

रायपुर। रमन मंदिर वार्ड निवासी सैय्यद आरिफ अहमद (50) का 25 नवंबर को निधन हो गया। उन्हें मौदहापारा कब्रिस्तान में सुपुर्दे-खाक किया गया। वे सैय्यद जावेद डब्लू तथा शूबी के बड़े भाई और फारूक, शकील, साजिद, शिबली, तमशील के छोटे भाई थे।

अरविंद दुबे

रायपुर। ब्राह्मणपारा निवासी अरविंद दुबे खुरसुल वाले का 25 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. पं. रामानंद दुबे के ज्येष्ठ पुत्र थे।

गंगाविशन बाड़मेरा

रायपुर। केसर सदन लिली चौक निवासी गंगाविशन मनसुखदास बाड़मेरा (89) का 25 नवंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 26 नवंबर को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे गणेशकुमार, घनश्याम, राधेश्याम, कमल, ललित, सुशील के पिता थे।

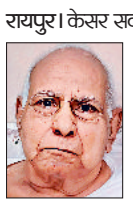

रामती बाई सोनकर

रायपुर। डगनिया स्थित सोनकर बाड़ी निवासी रामती बाई सोनकर (76) का 25 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे नोहर सोनकर, प्रकाश, दानेश्वर सोनकर की माता थीं।

एमआईसी सदस्य सहदेव व्यवहार, श्रीकुमार मेनन, सुरेश चन्नावार, रितेश त्रिपाठी ने उठाई बात

एमआईसी में उठा जमीन का मुद्दा, मच्छर और अमृत के अधूरे काम पर भी सवालों की बौछार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गांधी सदन में सोमवार को नगर निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें 17 एजेंडों पर एमआईसी से चर्चा के बाद मुहर लगी। बैठक में अमलीडीह क्षेत्र में शासन प्रशासन की ओर से एक बिल्डर के ग्रुप को दी जा रही 9 एकड़ जमीन का मुद्दा जोर-शोर से उठा। वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य सहदेव व्यवहार, वरिष्ठ एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन, सतनाम पनाग, सुरेश चन्नावार, रितेश त्रिपाठी ने निजी बिल्डर को 9 एकड़ जमीन देने का विरोध किया। एमआईसी सदस्य सहदेव व्यवहार ने बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए सवाल किया, जिस जमीन को अमलीडीह के रहवासियों की मांग पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व क्षेत्र के पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा के कार्यकाल में स्कूल कालेज एवं खेल मैदान निर्माण के लिए प्रस्तावित किया गया, उसे दरकिनार कर यह जमीन बिल्डर को कैसे दी जा रही है?

एमआईसी की बैठक में अमलीडीह क्षेत्र की 9 एकड़ जमीन बिल्डर को आवंटित किए जाने को लेकर वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य सहदेव व्यवहार ने सवाल किया कि नगर निगम सीमा क्षेत्र की ऐसी जमीन जो स्कूल, कालेज व खेल मैदान के लिए प्रस्तावित थी, उसे जनहित से जुड़े निर्माण कार्य को किनारे लगाकर निजी बिल्डर को कैसे दिया जा रहा है। क्या इसके लिए नगर निगम ने एनओसी दी है? सूत्रों के मुताबिक निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने सवाल के जवाब में कहा, जमीन आवंटन से जुड़े ऐसे किसी कार्य में नगर निगम की कोई भूमिका नहीं है, एनओसी हमारी तरफ से नहीं दी गई है।

मच्छर उन्मूलन के पॉयलट प्रोजेक्ट पर उठा सवाल

मच्छर उन्मूलन के लिए नगर निगम द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के तहत निजी एजेंसी को दिए गए ठेका को लेकर एमआईसी सदस्यों ने महापौर एजाज ढेबर और निगम आयुक्त के समक्ष सवाल उठाए। स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष नागभूषण राव ने इस बात पर आपत्ति जताई कि बिना एमआईसी में प्रस्ताव लाए शहर के 70 वार्डो में मच्छर उन्मूलन का ठेका किस आधार पर दिया गया? पायलट प्रोजेक्ट का काम शहर के केवल कुछ वार्डो में ट्रायल बतौर सदस्यों से चर्चा के बाद होना था, पर ऐसा न करके 70 वार्ड में एक साथ यह प्रोजेक्ट कैसे लाया गया। मच्छर उन्मूलन के लिए निजी एजेंसी द्वारा कराए जा रहे एंटी लार्वा छिड़काव और फागिंग की गुणवत्ता से विभाग अध्यक्ष संतुष्ट नहीं दिखे। सूत्रों के मुताबिक सदस्यों के ऐतराज के बाद महापौर एजाज ढेबर और निगम आयुक्त ने अनुबंधित एजेंसी का ठेका रद्द करने की अनुशंसा की है।

बैठक में ये रहे शामिल

बैठक में एमआईसी सदस्य नागभूषण राव, श्रीकुमार मेनन, अंजनि विभार, सतनाम पनाग, समीर अख्तर, जितेंद्र अग्रवाल, सुरेश चन्नावार, आकाश तिवारी, द्रोपती पटेल, निगम सचिव विनोद पांडेय, अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, कृष्णा खटिक सहित सभी जोन कमिश्नर और विभाग प्रभारी मौजूद रहे।

इन प्रस्तावों पर लगी मुहर

- तेलीबांधा तालाब में निर्मित 1.5 एमएलडी एसटीपी के अपग्रेडेशन 2 एमएलडी में करने और 10 वर्ष तक इसके रखरखाव व संचालन संधारण के लिए प्राप्त निविदा दर स्वीकृति
- 15वें वित्त आयोग के जल घटक अंतर्गत बघवा तालाब सौंदर्यीकरण और पहाड़ी तालाब सौंदर्यीकरण कार्यों की पुष्टि
- निराश्रित पेंशन योजना के 185 पात्र एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के 18 पात्र नए आवेदन की स्वीकृति
- पीएस सिटी कालोनी के पहुंच मार्ग के आसपास के निजी बसाहट क्षेत्र का नामकरण सैनिक नगर होगा
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय मुरलीधर राठौर के नाम से कैलाशपुरी ढाल हनुमान मंदिर से शीतला मंदिर होते हुए नीलकंठेश्वर मंदिर मार्ग का नामकरण किए जाने की अनुशंसा कर सामान्य सभा में रखने निर्देश

आचार संहिता समाप्त होते ही जिले में 70 प्लस के सीनियर सिटीजन का कार्ड बनना शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बिना राशनकार्ड के 70 साल से अधिक आयु वाले सीनियर सिटीजन को पांच लाख रुपए तक निशुल्क उपचार का लाभ मिलेगा। आचार संहिता समाप्त होते ही रायपुर जिले में इसकी शुरुआत कर दी गई है। रायपुर जिले के 80850 लोगों को नया कार्ड के लिए चिन्हित किया गया है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड हेल्थ और च्वाइस सेंटर में बनाया जाएगा।

- पांच लाख का निशुल्क इलाज का लाभ लेने वय वंदन कार्ड जरूरी

अभी राशनकार्ड के आधार पर हितग्राहियों को पचास हजार एवं पांच लाख तक निशुल्क उपचार की सुविधा मिलती है। इस नई योजना के तहत 70 साल और उससे अधिक आयु वाले प्रत्येक नागरिक को पांच लाख रुपए तक की निशुल्क उपचार सुविधा आयुष्मान वय वंदना कार्ड से प्राप्त होगी। इस कार्ड को बनाने के लिए राशनकार्ड की आवश्यकता भी नहीं है। रायपुर जिले में इस पर काम शुरू कर दिया गया है। केवाईसी कराने पर बुजुर्गो का अलग आयुष्मान कार्ड जनरेट हो जायेगा। इस कार्ड से वे किसी भी सरकारी व पंजीकृत निजी अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का इलाज करा सकेंगे। 70 प्लस आयु वर्ग के लोग अपने आधार कार्ड से ऑन लाईन या अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या किसी च्वाइस सेन्टर पर पहुंचकर ऑनलाईन कार्ड बनवा सकेंगे।

नियम के मुताबिक पांच लाख तक के उपचार की सुविधा सिर्फ कार्डधारी सीनियर सिटीजन को प्राप्त होगा इसका लाभ परिवार वालों को नहीं मिल सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक इस आयुवर्ग के जो लोग निशक्त है उन्हें योजना का लाभ देने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा आने वाले दिनों में शिविर भी लगाया जाएगा।

पेज 09 के शेष ...

पीजी की काउंसिलिंग...

वे किस सीट के जरिए एडमिशन लें, क्योंकि जिस सीट का त्याग किया जाएगा, वह पहले राउंड की काउंसिलिंग से हट जाएगी और अन्य छात्रों को एडमिशन के लिए दूसरे दौर की काउंसिलिंग तक इसका इंतजार करना होगा। विद्यार्थियों के मुताबिक पहले अखिल भारतीय कोटा और राज्य कोटे की सीटों पर एडमिशन के लिए सात से दस दिन का अंतराल होता था।

केस लिए हैंडराइटिंग...

हैंडराइटिंग है। पुलिस इस हैंडराइटिंग की भी जांच करा रही है, जिसकी रिपोर्ट आनी अभी बाकी है। यह रिपोर्ट ही बताएगी कि सुसाइड नोट मृतक ने लिखा है या नहीं?

महादेव सट्टे में दवा...

2020-21 तक दवा व्यवसाय से जुड़ा था। इसके बाद आर्थिक स्थिति खराब होने पर उसने दवा कारोबार से किनारा कर लिया। इसी दौरान उसके अकाउंट से ओडिशा, उत्तरप्रदेश सहित देश के कई अन्य राज्यों से महादेव सट्टा एप की रकम ट्रांजेक्शन होने की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक अश्विनी पाल के खिलाफ महादेव सट्टा एप ट्रांजेक्शन करने के आरोप में 33 अपराध दर्ज हैं। कटक पुलिस ने अश्विनी पाल को न्यायिक मजिस्ट्रेट खिलेश्वरी सिन्हा की कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लिया है।

सड़क पर खुलेआम...

करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दिलप्रीत ने पुलिस को बताया है कि रविवार को वह किसी काम से श्याम नगर गया था। इस दौरान अन्नू ने शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ गाली-गलौज की। गाली-गलौज करने से मना करने पर मौके पर अन्नू का बड़ा भाई संतोष पहुंच गया और उसने दिलप्रीत को अपने भाई के साथ झगड़ा करने का आरोप लगाते हुए दिलप्रीत की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। **विवाद की वजह यह बताई जा रही** : पुलिस के अनुसार उसे जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक एक पक्ष ने दूसरे पक्ष का ऑटो खरीदा था। पैसों के लेन-देन के विवाद को लेकर दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप कर रहे थे। इसी विवाद के कारण दोनों पक्ष के लड़कों ने तेलीबांधा तथा श्याम नगर थाना क्षेत्र में एक दूसरे के साथ मारपीट की। राजेंद्र नगर पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों के आधा दर्जन लड़कों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

घटना देख ग्राहक...

घुस आए लड़कों द्वारा मारपीट की घटना देख ग्राहक सहम गए। लड़कों के गुस्से को देख लोग चाहकर भी बीच-बचाव नहीं कर पाए।

अप्रैल 2019 के पूर्व...

कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में संबंधित अफसरों की बैठक आयोजित की गई है। परिवहन सचिव एस. प्रकाश तथा अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर के मुताबिक एक अप्रैल 2019 के पूर्व के सभी पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी लगाना अनिवार्य किया गया है। अफसरों के अनुसार इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। एचएसआरपी लगाने के संबंध में परिवहन सचिव तथा अतिरिक्त परिवहन आयुक्त की अध्यक्षता में एचएसआरपी लगाने वाले वेंडर रियल मेजान इंडिया लिमिटेड तथा रोसमेर्टा सेफ्टी सिस्टम लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की गई है। बैठक में परिवहन विभाग के अलावा वैज्ञानिक, एनआईसी मंत्रालय के अफसर शामिल हुए।

बैठक में इन...

- आटोमोबाइल डीलरों द्वारा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह (आवश्यक तीसरी पंजीकरण प्लेट सहित) प्रत्येक
- इंस्टालेशन के लिए सौ रुपए अतिरिक्त चार्ज के साथ लगाया जावेगा। साथ ही घर पहुंच सेवा के लिए अतिरक्त राशि देनी होगी।
- जारी निर्देशों का पालन नहीं होने पर केंद्रीय मोटरयान अधिनियम एवं नियमों के अनुसार जुर्माना राशि वसूल की जाएगी।
- अनाधिकृत रूप से एचएसआरपी की बिक्री और आपूर्ति करते पाए जाने वाले डीलरों या अन्य के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- आम नागरिकों की सुविधा के लिए एचएसआरपी आवेदन की प्रक्रिया वेबसाईट में उपलब्ध रहेगी।

मोबाइल एप से...

आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा परिषद्, रायपुर के रजिस्ट्रार डॉ. संजय शुक्ला को राज्य समन्वयक नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल होंगे। कार्यक्रम के अध्यक्ष सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी एवं मोतीलाल साहू होंगे। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ समेत देश के एक करोड़ लोगों का आयुर्वेद चिकित्सकों, शिक्षकों, छात्रों द्वारा बतौर वालेंटियर आयुर्वेद सिद्धांतों के अनुसार प्रकृति परीक्षण (वात-पित्त-कफ) किया जावेगा।

गुरु घासीदास जयंती समारोह की तैयारी में जुटा समाज, युवा प्रकोष्ठ की हुई बैठक

रायपुर। सतनामी समाज छत्तीसगढ़ के युवा प्रकोष्ठ की बैठक सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष कमल कुर्रे की अध्यक्षता में संतोषी नगर सतनाम भवन में आयोजित हुई। इसमें रायपुर जिला में गुरु घासीदास जयंती को उत्साह के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सभी वार्डो के युवाओं ने बिंदुवार चर्चा कर अपने सुझाव दिए। साथ ही समाजिक गतिविधि पर खुलकर चर्चा की गई। छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के युवा प्रकोष्ठ की बैठक में युवा प्रकोष्ठ के कार्यकाल का अवलोकन किया गया। बैठक में जिन प्रमुख बिंदुओं पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। राजधानी के आमापारा से 16 दिसम्बर को आयोजित शोभायात्रा में शामिल मंगल पंथी झांकी के समाज के युवाओं को शामिल होने कहा गया है। बैठक में कमल कुर्रे, सी एल जोशी आदि उपस्थित रहे। राजा बंजारे, राकेश बघेल, उपकार बंजारे,रमेश जांगड़े मोना खांडे आदि शामिल हुए।

रायपुर शहर में
प्लाट ही प्लाट
माँ दुर्गा विहार
375/- sf.
475/- sf.
575/- sf.
फ्री | रजिस्ट्री एवं डायवर्सन
For Contact
9343688254, 7879020825

Health Town

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
(22 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)
क्षार-सूत्र चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
पाइल्स, फिशर, फिस्टूला विशेषज्ञ
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

HCC Hearing Care Center IS NOW हिअरज़ॅप™
आज ही मुफ्त
श्रवण परीक्षण कराएं।
9659 455 455
श्रवण यंत्र पर भारी छूट | कोक्लियर इम्प्लांट (परामर्श) | स्पीच थेरेपी
हमारी स्टोर छत्तीसगढ़ में: अंबिकापुर • भिलाई • बिलासपुर • रायपुर • जगदलपुर • कोरबा
MAHARASHTRA | TAMILNADU | KERALA | KARNATAKA | ANDHRA PRADESH
TELANGANA | WEST BENGAL | BIHAR | JHARKHAND | CHHATTISGARH

DR. MANOJ AGARWALA'S SKIN & HAIR CLINIC
डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर)
(गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं
मुहांसे • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन
विटिलिगो/ ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया
अर्टीकेरिया • फंगल इनफेक्शन • टेली कंसलटेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारगण 1.गणेश राम साहू, 2. ईश्वर साहू, 3. बिसराम साहू, 4.श्रीमती शारदा बाई साहू, 5.श्रीमती सरस्वती बाई साहू सभी का पिता स्वः कार्तिक राम साहू निवासी ग्राम दतरेंगा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा अपने हक, हित, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा ग्राम दतरेंगा प.ह.नं. 000084 रा.नि.मं. रायपुर-18 कांदूल तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि जिसका खसरा नम्बर 277/1 शामिल नं. 283/1 रकबा 7.1800 हेक्टेयर भूमि को समय अभाव के कारण देखरेख व प्रबंध कार्य हेतु मुख्त्यार आम श्री श्याम लाल यादव पिता स्वः जीवराखन यादव निवासी-आरडीए प्लाट संजय नगर टिकरापारा रायपुर छ.ग. को दिनांक 08.11.2024 को दे दिया गया था जिसका बुक नं. 04 वोल्यूम नं. 3041 पृष्ट क्र. 194 से 214 दस्तावेज क्र. CG-2024-25-107-4-340 है चूकि वर्तमान में मेरे पक्षकारगण के पास पर्याप्त समय है और अपने भूमि का देखरेख व प्रबंध आदी कार्य करने के लिए पर्याप्त समय है व सक्षम है इसलिए उपर उल्लेखित मुख्त्यार आम को दिनांक 25.11.2024 को उपपंजीयक कार्यालय रायपुर से निरस्त करवा दिया गया है।

यदि उक्त वर्णित भूमि के संबंध में निरस्त मुख्त्यार आम का उपयोग कर किसी भी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय निकाय, शासकीय या अर्धशासकीय निकाय बैंक इत्यादी द्वारा क्रय, विक्रय, विक्रय इकरारनामा, उक्त भूमि पर किया गया संव्यवहार अवैधानिक व विधि विरुद्ध माना जावेगा। सो सूचना जाने।

स्थान- रायपुर छ.ग. दिनांक - 25/11/2024

दिलीप साहू, डी.पी साहू,
अधिवक्तागण
सिविल कोर्ट, रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. - 9691162916

// आम सूचना //

वाके मौजा- उरकुरा, प.ह.नं. 00022, रा.नि.मं.- रायपुर-01, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 7/18 रकबा 0.044 हेक्टेयर अर्थात 4740 वर्गफुट भूमि के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता रवि महावर पिता श्री हरिराम जी महावर, निवासी- बी-19, ग्रीन आर्चिड दल-दल सिवनी मोवा, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के आधिपत्य व स्वामित्व की भूमि जो कि वाके मौजा उरकुरा, प.ह.नं. 00022, रा.नि.मं.- रायपुर- 01, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 7/18 रकबा 0.044 हेक्टेयर अर्थात 4740 वर्गफुट भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है एवं शेष राशि का भुगतान बैनामें के निष्पादन के समय किये जाने की बात हुई है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय बैंक, बीमा, वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, बोर्ड, प्राधिकरण निजी संस्था आदि को किसी भी प्रकार की उजर आपत्ति है। तो यह इस आम सूचना प्रकाशन के 05 दिन के भीतर अपनी, उजर, आपत्ति का दावा मेरे कार्यालय में सुसंगतमय दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद म्याद की गई किसी भी प्रकार की उजर, आपत्ति या दावा के लिए मेरे पक्षकार पर कोई बंधनकारी नहीं होगा और यह अपने पक्ष में रजिस्ट्री बैनामा करवा लेगा। सो सूचना जानें।

रायपुर, छत्तीसगढ़ दिनांकः 25.11.2024

श्रीमती मिनाक्षी मिश्रा
(अधिवक्ता)
पता- रायपुर टॉयपिंग गली कंकालीपारा, रायपुर (छ.ग.) Mob. : 93006 81760

आज से 26 जनवरी तक कांग्रेस का संविधान रक्षक अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कांग्रेस पार्टी ने संविधान की रक्षा के लिये मंगलवार से 26 जनवरी 2025 तक 60 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा हमारे संविधान में निहित मूल्यों की रक्षा के लिए खड़ी रही है। पिछले दशक में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार द्वारा संविधान की नींव को कमजोर करने और सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कमजोर करने का व्यवस्थित प्रयास किया है। संविधान रक्षक अभियान में पांच प्रमुख विषयों को आमजनता के समक्ष उजागर किया जाना है। प्रत्येक विषय के लिये 10 दिवसीय अवधि तथा 5 विषय निर्धारित किये गये हैं।

संविधान और समानता की लड़ाई, भारत में असमानता और इसे संबोधित करने में भाजपा की केंद्र सरकार की विफलता को उजागर किया जाये। एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों, गैर-अधिसूचित जनजातियों, महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ, हाशिए पर रहने वाले समुदायों की स्थिति खराब करने वाली नीतियों को उजागर किया जायेगा।

खबर संक्षेप

जिले में अब तक 64109 टन धान की खरीदी

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के अंतर्गत रायपुर जिले में समर्थन मूल्य पर अब तक 139 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 15,578 किसानों से 64109 टन धान खरीदा गया। इस खरीदी में अब तक 147 करोड़ 61 लाख रूपए राशि की धान खरीदी गई। उल्लेखनीय है कि जिले में धान की खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है, जिससे किसानों को समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने में सहायता मिल रही है। किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ पहुंचाने और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इस बार की खरीदी प्रक्रिया में किसानों का विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने साप्ताहिक जनदर्शन में सोमवार को कलेक्टोरेट परिसर के रेडक्रॉस सभाकक्ष में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर जनदर्शन में कुल 43 आवेदन आए है। कलेक्टर ने इन आवेदनों के माध्यम से लोगों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को जल्द से जल्द उनकी समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा, सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, संयुक्त कलेक्टर उमाशंकर बंदे भी उपस्थित थे।

महिला से धोखेबाजी, कार हथिया ली और मकान की पॉवर ऑफ अटार्नी भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खमतराई थाने में एक व्यक्ति ने अपने वकील के खिलाफ जमानत दिलाने का झांसा देकर उसकी पत्नी से कार अपने नाम ट्रांसफर कराने सहित मकान की पॉवर ऑफ अटार्नी लेने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाने में शिकायत दर्ज कराने वाला प्रार्थी ठगी के आरोप में पूर्व में जेल में बंद था। इस दौरान वकील ने आरोपी की पत्नी को झांसे में लेकर ठगी का शिकार बनाया।

खास खबर

पुलिस के मुताबिक अनिल कुमार वर्मा की शिकायत पर वकील मोहम्मद सुल्तान अहमद निजामी तथा आरटीओ एजेंट मोहम्मद परवेज के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 तथा 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। अनिल ने पुलिस को बताया है कि निजामी ने कूटरचित फर्जी हस्ताक्षर कराकर उसकी कार एमजी हेक्टर अपने नाम कराने के साथ मकान बिक्री करने पॉवर ऑफ अटार्नी हासिल की है।

जमानत दिलाने का झांसा देकर वकील ने महिला से दस्तावेजों में हस्ताक्षर कराया

वकील ने परेशान महिला को झांसे में लिया

अनिल ने पुलिस को बताया है कि दोनों पति पत्नी जेल में बंद थे। इस दौरान उसकी पत्नी को किसी अन्य वकील के माध्यम से जमानत मिली। जमानत मिलने के बाद महिला अपने पति को जेल से छुड़ाने कोर्ट पहुंची। न्यायलयीन प्रक्रिया की जानकारी नहीं होने की वजह से अनिल की पत्नी परेशान थी। इस दौरान महिला की मुलाकात निजामी से हुई। निजामी ने महिला को उसके पति को जेल से छुड़ाने का झांसा दिया और विभिन्न दस्तावेजों में उसके हस्ताक्षर कराकर वकील ने दस्तावेज अपने पास रख लिया।

साक्ष्य का परीक्षण करने के बाद गिरफ्तारी : अनिल वर्मा की शिकायत पर वकील के खिलाफ ठगी का अपराध दर्ज किया गया है। दोनों पक्षों के बयान लेने तथा प्रार्थी द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य का परीक्षण करने के बाद जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। - एसएन सिंह, टीआई खमतराई

कार की बकाया लोन की राशि जमा कराया

महिला ने पुलिस को बताया है कि निजामी ने धोखे से कार अपने नाम ट्रांसफर कराने जिन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए थे, इस संबंध में निजामी ने महिला से कार का बकाया लोन के संबंध में जानकारी हासिल की। लोन की बकाया राशि के बारे में जानकारी देने पर निजामी महिला को अपने साथ एचडीएफसी बैंक लेकर गया और महिला को उसकी कार का लोन सेटलमेंट कराने का झांसा दिया तथा कार के बकाया 14 लाख रुपए में से आठ लाख रुपए लोन का जमा कराया।

ठगी का ऐसे हुआ भंडाफोड़

अनिल ने पुलिस को बताया है कि हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर वह अपनी पत्नी के साथ निजामी से मिलने जाता था। इस दौरान अनिल ने जमानत संबंधित दस्तावेज की निजामी से मांग की। दस्तावेज मांगे जाने पर निजामी अनिल तथा उसकी पत्नी के साथ टाल मटोल करने लगा। दबाव बनाने पर निजामी ने एक कागज अनिल को दिया। इस पर अनिल वह कागज एक अन्य वकील के पास लेकर गया, तो उस वकील ने उक्त कागज को किसी को मकान बेचने पॉवर ऑफ अटार्नी देने के जानकारी दी, तब अनिल को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली। साथ ही अनिल को निजामी द्वारा अपना मकान किसी राजेश रेलवानी के माध्यम से किसी अन्य को बेचे जाने की जानकारी मिली।

सुबह 7 बजे पूरा हुआ काम, 5 पानी टंकियां रहीं सूखी

उद्योग भवन के पास फूटी मेनराइजिंग लाइन मरम्मत के लिए रातभर डटी रही निगम की टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के उद्योग भवन के पास रविवार को क्षतिग्रस्त हुई मेन राइजिंग लाइन की मरम्मत का काम सोमवार सुबह पूरा हुआ। रातभर पाइप लाइन मरम्मत कार्य में 15 सदस्यीय टीम डटी रही। सोमवार सुबह मरम्मत का काम पूरा होने के बाद 5 प्रभावित पानी टंकियों को भरने काम शुरू हुआ। पाइप लाइन मरम्मत के कारण श्यामनगर, खमतराई, राजेंद्रनगर, शंकरनगर, तेलीबांधा की पानी टंकी सोमवार सुबह भी सूखी रही। इससे राजधानी के 1 लाख लोगों तक पीने का पानी नहीं पहुंच पाया। प्रभावित इलाके के रहवासी पानी टैंकर भिजवाने जोन दफ्तर और वार्ड पार्षद के पास फोन लगाते रहे। शहरभर के अलग-अलग इलाकों के 65 जगहों से पानी टैंकर की मांग जल विभाग से पास की गई। इसमें से 45 जगहों पर टैंकर दोपहर तक पहुंचा, बाकी के 20 जगहों पर दोपहर बाद टैंकर भेजकर पेयजल आपूर्ति कराई गई।

हरिभूमि सरोकार

सोमवार सुबह 1 लाख लोगों तक नहीं पहुंचा पानी

- पानी टैंकर के लिए जोन दफ्तर, पार्षद के पास घनघनाते रहे फोन
- श्यामनगर, खमतराई, राजेंद्र नगर, शंकरनगर, तेलीबांधा पानी टंकी प्रभावित

मंगलवार को सुबह नियमित जल आपूर्ति : उद्योग भवन के पास मेनराइजिंग लाइन डेमेज हुई थी। यह लाइन फिल्टर प्लांट के 80 एमएलडी प्लांट से जुड़ी है। 5 पानी टंकियां इससे प्रभावित रही। पाइप लाइन मरम्मत के लिए 15 सदस्यीय टीम को उतारा गया। सोमवार की सुबह पाइप लाइन मरम्मत पूरी होने के बाद संबंधित पानी टंकियों को भरा गया है। शाम के समय जल आपूर्ति आंशिक रूप से प्रभावित रही, मंगलवार की सुबह नियमित जल आपूर्ति होने लगेगी। - नरसिंग फरेंद्र, कार्यपालन अभियंता जल, नगर निगम रायपुर

छोकरानाला के पास लीकेज सुधारने पहुंची प्लांट की टीम

नगर निगम जोन 9 क्षेत्र स्थित जोरा की पानी टंकी से 3 दिनों तक जल आपूर्ति ठप रहने की शिकायत के बाद फिल्टर प्लांट की टीम सोमवार को छोकरानाला के पास पाइप लाइन का बड़ा लीकेज सुधारने पहुंची। लीकेज मरम्मत का काम कराया जा रहा है। मरम्मत पूरी होने के बाद जोरा सहित आसपास के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति नियमित रूप से होने लगेगी।

इन इलाकों में नहीं आया पानी, टैंकर की रही डिमांड

शहीद पंकज विक्रम वार्ड स्थित टैगोर नगर, आरएमएस कालोनी, एमआर कालोनी, स्टेट बैंक कालोनी बैरनबाजार, विवेकानंद नगर में तीसरे दिन भी पानी की समस्या से लोग परेशान रहे। माठागांव स्थित जोन 6 दफ्तर और वार्ड पार्षद निशा-देवेंद्र यादव के पास फोन कर लोगों ने इसकी शिकायत की। वार्ड पार्षद ने बताया कि बैरनबाजार और राजेंद्र नगर पानी टंकी से इन इलाकों में पेयजल आपूर्ति होती है, पर तीन दिन से पानी आपूर्ति प्रभावित होने से लोग त्रस्त रहे। सोमवार की सुबह 15 से 20 जगहों पर पानी टैंकर भेजकर लोगों तक पानी पहुंचाया गया। नगर निगम जोन 1 वीर शिवाजी वार्ड स्थित सन्यासी पारा, साहूपारा, ब्रम्हदेईपारा, शिवानंद नगर, खमतराई, सतनामी पारा में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहने से लोगों परेशान रहे। लोगों की शिकायत के बाद भी रविवार शाम तक प्रभावित इलाकों में टैंकर की व्यवस्था नहीं हो पाई। सोमवार सुबह इन इलाकों में टैंकर भेजा गया। जोन 10 क्षेत्र के लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित वार्ड पार्षद व जोन अध्यक्ष आकाशदीप शर्मा ने पानी टैंकर की मांग की। मदर टेरेसा वार्ड, डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड, सिविल लाइन वार्ड से जल विभाग के पास पानी टैंकर की मांग की गई।

कैशलेस हास्पिटल में उत्सव की तरह मनाया गया श्री सत्य साईं बाबा का 99वां जन्मदिवस

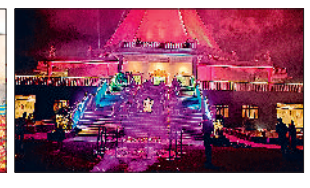

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- सात छोटे बच्चों की सर्जरी, अस्पताल में विभिन्न कार्यक्रम

नवा रायपुर स्थित कैशलेस हास्पिटल में श्री सत्य साईं बाबा का 99वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल परिसर की आकर्षक साज-सज्जा के साथ विभिन्न आयोजन किया गया। जन्मदिवस के अवसर पर सात छोटे बच्चों की सर्जरी कर उन्हें नए जीवन का उपहार दिया गया।

इस अवसर पर श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल और सौभाग्यम को रोशनी, फूलों, गुब्बारों और बड़े आकार की रंगोलियों से सजाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 5 बजे मेडिटेशन हॉल में ओंकारम और सुप्रभातम के बाद नगर संकीर्तनम के साथ हुआ। स्टाफ सदस्य और मरीज के परिचारक साईं बाबा के भजन गाते हुए अस्पताल परिसर में भ्रमण करते रहे। विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने श्री रामचरितमानस का पाठ किया। स्टाफ सदस्यों ने हवन में भाग लिया। इस दौरान आयोजित जीवन के विशेष उपहार कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा शामिल हुए। उन्होंने नारियल फोड़कर ग्राम सेवा हेतु वाहनों को संकेत दिया। श्रमिक बस्ती में 300 सदस्यों को भोजन प्रसाद एवं वस्त्र वितरित किये गये। रायपुर के भक्तों और उनके परिवारों और आसपास के गांवों के 3500 लोगों ने सौभाग्यम का दौरा किया और दोपहर के भोजन का प्रसाद ग्रहण किया। नर्सिंग छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया और आकर्षक रंगोलियां बनाई गई। शाम के कार्यक्रम की शुरुआत भजन और सार्वभौमिक प्रार्थना से हुई। सौभाग्यम के चारों ओर मिट्टी के दीपक जलाए गए । शानदार लेजर शो और आतिशबाजी के साथ जन्मदिन समारोह का समापन किया गया।

प्रोफेसर मारोठिया फिर से बने आईएसएई के अध्यक्ष

रायपुर। कृषि और प्राकृतिक संसाधन अर्थशास्त्र के एक प्रमुख विशेषज्ञ प्रोफेसर दिनेश मारोठिया को इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स (आईएसएई) का निर्विरोध अध्यक्ष दूसरे कार्यकाल के लिए पुनः चुना गया है। आईएसएई एक प्रतिष्ठित संगठन है, जिसकी स्थापना 1939 में की गई थी। चुनाव हाल ही में संपन्न 84वें आईएसएई वार्षिक सम्मेलन में हुआ, जो पं. जवाहरलाल नेहरू कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट कराईकल पुडुचेरी में आयोजित हुआ था। वे अपने पहले कार्यकाल के दौरान प्रोफेसर मारोठिया ने महत्वपूर्ण सुधार लागू किए, जिनसे आईएसएई की पत्रिका की गुणवत्ता में सुधार हुआ, वैश्विक प्रकाशनों के अवसर बने, जीवन सदस्यता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई और राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी को बढ़ावा मिला। उनके नेतृत्व में आईएसएई ने वित्तीय घाटे से उबरकर वित्तीय स्थिति को लाभ में बदला।

बिजनेस साइट

ज्ञान गंगा एजूकेशनल एकेडमी में 'कैरियर फेस्ट उड़ान 2024' का सफल आयोजन

रायपुर। ज्ञान गंगा एजूकेशनल एकेडमी में छात्रों के भविष्य को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए 'कैरियर फेस्ट उड़ान 2024' का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनके रुचि अनुसार कॅरियर के विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान करना था।

विद्यालय की ओर से समय-समय पर ऐसे सेमिनार आयोजित किए जाते हैं, जिनमें छात्रों को उनके भविष्य के लिए सही दिशा मिल सके। 'उड़ान 2024' में देशभर के 18 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने भाग लिया, जो छात्रों को उनके कॅरियर विकल्पों के बारे में जानकारी देने के लिए वहां मौजूद थे। विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्टॉलों पर जाकर अपनी रुचियों के अनुसार कॅरियर और प्रवेश प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। विद्यालय की प्राचार्या प्रतिमा राजगोर ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन होते रहेंगे, ताकि छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन मिल सके।

पारस इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन में डीसीए और पीजीडीसीए छात्रों का भव्य स्वागत समारोह

रायपुर। पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन ने अपने भाठागांव और अमलेश्वर शाखाओं में डीसीए और पीजीडीसीए पाठ्यक्रम में नए दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नए छात्रों को संस्थान से जोड़ने और उन्हें सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। भाठागांव शाखा में मिस्टर फ्रेशर्स शुभम वर्मा, मिस फ्रेशर्स भावना साहू और मिस गॉर्जियस गीतिका को चुना गया। वहीं, अमलेश्वर शाखा में मिस्टर फ्रेशर्स टिमन और मिस फ्रेशर्स मधु चक्रधारी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान की निदेशक कविता कुंभज, अम्लेश्वर शाखा के निदेशक राहुल कुंभज और संस्थान के प्रमुख स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

रोटरी क्लब रायपुर ग्रेटर की अंतर विद्यालय खेल प्रतियोगिता

रायपुर। रोटरी क्लब रायपुर ग्रेटर के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर विद्यालय खेल प्रतियोगिता 'स्पर्धा' का आयोजन हाल ही में कोलंबिया ग्लोबल स्कूल, शिव शक्ति बैडमिंटन अकादमी और वेंकेटेश्वर सिग्नेचर स्कूल में सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, खो-खो, स्वीमिंग, बॉस्केटबॉल, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, रस्साकशी, शतरंज, वॉलीबॉल और कबड्डी जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। रायपुर जिले के विभिन्न शासकीय और निजी विद्यालयों के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। कोलंबिया ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते।

पथकर विक्रेताओं ने निकाली पदयात्रा, निगम मुख्यालय के सामने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- छत्तीसगढ़ में 2014 के पथ विक्रेता कानून को लागू करने की मांग
- बिना जप्ती पत्र के निगम द्वारा सामान जप्त करने का विरोध

प्रदेश में पथ विक्रेता कानून 2014 लागू करने की मांग को लेकर शहर के पथ विक्रेताओं ने शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। फुटकर कल्याण संघ, छत्तीसगढ़ हाकर्स फेडरेशन और पथ विक्रेता कल्याण संघ के पदाधिकारियों सहित एनआईटी, आयुर्वेदिक कालेज, साइंस कालेज और जीई रोड के स्ट्रीट वेंडर्स ने अनुपम गार्डन से निगम मुख्यालय तक पदयात्रा निकाली और निगम मुख्यालय के सामने नारेबाजी कर निगम प्रशासन का ध्यान अपनी समस्याओं के प्रति आकर्षित कराया। साथ ही उपायुक्त विनोद पांडे और अपर आयुक्त राजेंद्र प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की। अधिकारियों ने पथ विक्रेताओं के व्यवस्थापन की उचित व्यवस्था करने और जल्द बैठक करने का भरोसा दिलाया है।

शहर में ठेले, गुमटियों के उचित व्यवस्थापन की व्यवस्था किये बिना नगर निगम पथ विक्रेताओं के समान जप्ती करने और ठेला गुमटियों को हटाने को लेकर स्ट्रीट वेंडरों ने राजधानी में गांधी सदन के सामने प्रदर्शन किया। वे छत्तीसगढ़ में 2014 का पथ विक्रेता कानून लागू करने की मांग कर रहे थे। पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे हाकर्स फेडरेशन के अध्यक्ष गौतम बंदोपाध्याय ने कहा कि स्मार्ट सिटी बनाने का मास्टर प्लान सिर्फ कमीशन का खेल है। जिससे पूरा शहर प्रभावित है। जो मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है उसमें पथ विक्रेताओं के लिए कोई व्यवस्था नही है।

वेतन विसंगति दूर कराने शिक्षकों ने किया पैदल मार्च

- 5 सूत्रीय मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- इंद्रावती भवन से महानदी भवन तक पैदल चले गुरुजी

शिक्षकों ने वेतन विसंगति दूर करने सहित 5 सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार को पैदल मार्च किया। नवा रायपुर के इंद्रावती भवन से महानदी भवन तक सहायक शिक्षकों ने पैदल चलकर शासन का ध्यान अपने लंबित मांगों के प्रति आकर्षित कराया, जिसमें शिक्षक संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष शामिल हुए।

सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने, क्रमोन्नत वेतनमान देने, प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्व सेवा की गणना कर पूर्ण पुरानी पेंशन देने की मांग को लेकर एलबी संवर्ग के सहायक शिक्षकों ने पैदल मार्च किया। मोदी की गारंटी अब तक लागू नहीं किए जाने से नाराज शिक्षकों का कहना है कि प्रदेश में भाजपा के घोषणापत्र में सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने और क्रमोन्नत वेतनमान देने का वादा किया गया है, पर सरकार ने अब तक अपना वादा पूरा नहीं किया। इससे प्रदेशभर के एलबी संवर्ग के सहायक शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है।

प्रदेश संयोजक मनीष मिश्रा ने बताया कि चरणबद्ध आंदोलन कर शिक्षक अपनी लंबित मांगों से प्रदेश के मुखिया, शिक्षा सचिव और वित्त सचिव को अवगत करा रहे हैं।

प्रमुख मांगें

- सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर कर सभी एलबी संवर्ग को क्रमोन्नत वेतनमान दिया जाए।
- पुनरीक्षित वेतनमान में सही वेतन का निर्धारण कर 1.86 गुणांक पर वेतन निर्धारण करने की मांग।
- पूर्व सेवा अवधि की गणना करते हुए समस्त शिक्षक एलबी संवर्ग के पुरानी पेंशन को निर्धारित कर करने, भारत सरकार द्वारा 2 सितंबर 2008 को जारी आदेश के समान 33 वर्ष में पूर्ण पेंशन के स्थान पर 20 वर्ष में पूर्ण पेंशन का प्रावधान किया जाए।
- डबल बैंच द्वारा पारित निर्णय 28 फरवरी 2024 के तहत सभी पात्र एलबी संवर्ग के शिक्षकों के लिए क्रमोन्नति, समयमान-वेतनमान का विभागीय आदेश जारी किया जाए।
- शिक्षक और कर्मचारियों को केंद्र के बराबर 1 जुलाई 2024 से 3 फीसदी महंगाई भत्ता दिया जाए तथा जुलाई 2019 से देय तिथि पर महंगाई भत्ते की एरियर्स राशि का समायोजन जीपीएफ, सीजीपीएफ खातों में किया जाए।

चैंबर भवन में आयकर कार्यशाला अग्रिम कर की मिली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- मुख्य आयकर आयुक्त अर्पणा करण मुख्य अतिथि

छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स की ओर से सोमवार को राजधानी के बांबे मार्केट स्थित चैंबर के सभागार में आयकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को एडवांस टैक्स के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में आयकर नियमों में परिवर्तन, विवाद से विश्वास स्कीम 2024 के बारे में बताया गया।

चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव ने संयुक्त रूप से बताया, व्यापारियों को आयकर नियमों में परिवर्तन से अवगत कराने एडवांस टैक्स के संबंध में विस्तार से जानकारी देने कार्यशाला का आयोजन किया गया। शाम 4 बजे आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य आयकर आयुक्त अपर्णा करण, विशिष्ट अतिथि- प्रधान आयकर आयुक्त प्रदीप एस. हेड़ाऊ, संयुक्त आयकर आयुक्त बीरेन्द्र कुमार एवं आयकर अधिकारी जितेन्द्र कुमार, राहुल पटेल, अमरेश कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मुख्य आयकर आयुक्त अपर्णा करण ने अपने उदबोधन में कहा कि व्यापारीगण बहुत ही जागरूक हैं एवं शासन के राजस्व को बढ़ाने में इनकी बहुत बड़ी भूमिका है। व्यापारी वर्ग छत्तीसगढ़ को देश का नंबर-1 राज्य के रूप में देखना चाहते हैं, तो आयकर का भुगतान पूरी ईमानदारी से करें, जिससे कि प्रदेश एवं देश का विकास हो। यदि आयकर संबंधी कोई भी समस्या हो या सुझाव हो, तो आयकर कार्यालय में लिखित में देकर अपनी शंका का समाधान कर सकते हैं।

7500 अपील लंबित

प्रधान आयकर आयुक्त प्रदीप हेड़ाऊ कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 7500 अपील लंबित हैं। पिछली स्कीम 2020 में इस स्कीम को अच्छा प्रतिसाद मिला था, इसलिए सभी इस स्कीम का लाभ उठायें।

02

नए साल में यूरोपियन सिटी कपल की ...

लाइव इवेंट

परिचय सम्मेलन से दूर होती हैं पुरानी कुरीतियां

रायपुर। लोधी क्षत्रीय समाज द्वारा राजधानी के लोधेश्वरधाम में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन रखा गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य प्रांतों से सामाजिकजन शामिल हुए। मुख्यअतिथि के रूप में मौजूद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिता लोधी ने कहा कि समाज को ऐसा मंच मिलने से जहां समाज की एकजुटता दिखती हैं, वहीं विचारों का खुलकर आदान प्रदान होता है। परिचय सम्मेलन जैसे आयोजन से पुरानी कुरीतियां भी दूर होती है। इस मौके पर विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन,स्मारिका का विमोचन,लोधेश्वर भगवान मंदिर का भूमिपूजन, प्रतिभाशाली बच्चों व बुजुर्गों का स्मान व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ। विधायक राजकुमार कुर्राहे व यशोदा नीलाम्बर सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व अन्य विशिष्टजन भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

शिवांगी दीदी के भजनों में झूमे

शिवांगी दीदी के सानिध्य में भक्ति सत्संग हुआ। उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया कि व्यस्त जीवन के बीच कुछ क्षण रोज अपने लड्डूगोपाल के लिए निकालें। इसके बाद देखें कि जीवन में कैसे आनंद आ जाएगा। समाज के सचिव प्रहलाद दमाहे ने बताया, विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिचय सम्मेलन के माध्यम से कई रिश्ते अब तक बन चुके हैं। इस साल भी बड़ी संख्या में युवत-युवतियों का परिचय हुआ। वार्षिक क्रियाकलापों से संबंधित स्मारिका का विमोचन भी किया गया। समाज के प्रतिभाशाली बच्चों व बुजुर्गों का सम्मान समारोह भी रखा गया था। सांस्कृतिक संध्या में देर शाम तक लोग शामिल हुए। उत्तम वर्मा, सुरेश सुलाखे, राजेश नागपुरे, ज्ञानीराम मच्छिरके, सुमेरसिंह ठाकुर, जेएल कचलरिया, यशवंत लिल्हारे, एचडी ढेकवारे, एनके दशहरे सहित महिला समूह के सदस्य मौजूद रहे।

आउटडोर वीडियोशूट के लिए शहर के स्टूडियो संचालक इस्तेमाल करने लगे हैं 25 लाख तक के डिजिटल किट

शाही शादियों में सिनेमाई जादू...डिजिटल वीडियो व ड्रोन का क्रेज, केवल शूट पर 5 से 10 लाख खर्च, लदे एल्बम के दिन

समय के साथ शादियों में होने वाली फोटोग्राफी और वीडियो शूट में उपयोग होने वाली तकनीक का भी स्वरूप बदलने लगा है। अब लोग शाही शादियों में सिनेमेटिक और डिजिटल वीडियो के साथ ही प्री-वेडिंग व वेडिंग शूट के लिए 5 से 10 लाख रूपए खर्च करने के साथ ही आउटडोर शूट के लिए गोवा, विशाखापट्नम सहित पुरी के बेस्ट लोकेशन पर जाने का खर्च भी वहन करने से गुरेज नहीं करते हैं।शादी के एलबम के दौर भी अब लद गए, क्योंकि अब डिजिटल बुके तैयार होने लगे हैं। इसे लोग मोबाइल में देख सकते हैं।

रायपुर। एक जमाना था, जब लोग विवाह सम्पन्न होने के बाद तैयार किए गए वीडियो कैसेट और एल्बम को देखकर खुश होते थे। आकर्षक एलबम तैयार करने पर 5 से 10 हजार खर्च करने में शान समझते थे। अब नए दौर में लोग इससे बहुत आगे निकल चुके हैं। फिल्मों की शूटिंग में इस्तेमाल होने वाली डिजिटल तकनीक का भी उपयोग प्री-वेडिंग और वेडिंग शूट के लिए किया जाने लगा है। इसके लिए लोग प्रदेश के अलग लोकेशन पर जाने के साथ ही दूसरे बड़े शहरों की ओर भी रूख करने लगे हैं। शहर के सितारा होटलों में होने वाली हाई-प्रोफॉइल शादियों में डीएसएलआर स्टील लेंस का उपयोग करने लगे हैं। इतना ही नहीं जयमाला से लेकर रिसेप्शन के हर लम्हे को कवर करने के लिए 5 से 6 डिटिजल कैमरों के साथ ही ड्रोज भी उड़ा रहे हैं। इसके लिए लोग प्रोफेशनल कैमरा मैन की टीम का भी खर्च वहन करते हैं।

शहर में 5 लाख का देते हैं पैकेज

प्राइवेट वीडियो शूट से जुड़े पुनित सोनकर ने बताया कि शहर में हाई-प्रोफॉइल शादियों में एफएक्स-3 व 6 रेंज के सिनेमेटिक कैमरों से लोग शूट करवाने लगे हैं। इस हाई तकनीक से पिक्चर क्लीयर आने के साथ ही गुणवत्ता भी काफी बेहतर होती है। प्री-वेडिंग से रिसेप्शन तक की शूटिंग करवाने वाले लोगों को 5 लाख में काम करके देते हैं। इसमें तकनीकी टीम के आने-जाने और खाने का खर्च शामिल नहीं होता है। इस खर्च को बुकिंग कराने वाले लोगों को ही वहन करना पड़ता है। केवल प्री-वेडिंग शूट करवाने का भी डेढ़ से दो लाख खर्च आता है।

एल्बम-सीडी की बजाय डिजिटल बुके

अल्ताफ व गुलफाम खान ने बताया कि शादी और प्री-वेडिंग की फोटोग्राफी की बजाय लोग डिजिटल बुके तैयार करवाने में रुचि लेने लगे हैं। इसे मोबाइल स्क्रीन पर आसानी से देखा जा सकता है। इसको संबंधित लोगों को आसानी से भेज सकते हैं। जिसे लोग घर बैठे देखने के बाद इसे अपने लैपटॉप या अन्य साधानों में सुरक्षित भी रख सकते हैं। इससे एल्बम तैयार करवाने का चलन पहले की अपेक्षा अब कम होने लगा है। कम लोग ही एलबम और सीडी तैयार करने के लिए आर्डर करते हैं, ज्यादातर लोग डिजिटल बुके की डिमांड करते हैं। इसके लिए लोग खर्च करने तैयार होते हैं।

प्रदेश के बाहर आउटडोर का खर्च 15 लाख तक

जो लोग प्रदेश के बाहर पुरी, गोवा, विशाखापट्नम में आउटडोर प्री-वेडिंग शूट के लिए आर्डर करते हैं, उन्हें इस काम के लिए 10 लाख और शादी की कम्पलिट शूटिंग के लिए बुकिंग करने पर 15 लाख तक खर्च वहन करना पड़ता है। हालांकि इस तरह की बुकिंग रेयर ही मिलती है, लेकिन लोगों में डिजिटल तकनीक के उपयोग को लेकर जिज्ञासा बढ़ने लगी है। इसको लेकर राहुल साहू ने बताया कि समय के साथ अब वीडियो व फोटोशूट के लिए हाई तकनीक व स्पेशल लेंस वाले किट का उपयोग होने लगा है। इससे शूटिंग पर होने वाला खर्च भी बढ़ गया है।

आराधना

चार माह पश्चात पदयात्रा, प्रवचन के जरिए बताया कल्याण मार्ग

रायपुर। चातुर्मास के लिए विराजमान विनय कुशल मुनि, विराग मुनि आदि ने सोमवार को एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी से विहार किया। इन चार महीने के दौरान संतों ने समाज को संयम पथ पर चलने का सबक सिखाया। भगवान महावीर बताए इसी मार्ग पर चलने का संदेश देते हुए संतों ने समाज से विदाई ली। इस दौरान बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। संतों की विदाई से पहले दादाबाड़ी में धर्मसभा हुई। इसमें संत श्री विराग मुनि ने कहा कि चार महीने में प्रवचन और स्वाध्याय के जरिए आत्मकल्याण की जो बातें सिखाई गई हैं, उसे व्यवहारिक जीवन में भी उतारें। तभी चातुर्मास मनाना सफल होगा। आत्मस्पर्शीय चातुर्मास समिति के अध्यक्ष पारस पारख ने चातुर्मास की उपलब्धियां बताई। उन्होंने कहा कि नियमित प्रवचन और स्वाध्याय के जरिए बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं ने चातुर्मास में कई महत्वपूर्ण बातें सीखी। इसे जीवन में उतारकर आत्म कल्याण की ओर अग्रसर हों, ऐसी कामना की। महासचिव नरेश बुरड़ ने कहा कि तप-त्याग, साधना और आराधना को समर्पित चातुर्मास दादाबाड़ी में भव्य तरीके से मनाया गया। इन कार्यक्रमों ने 2024 के चातुर्मास को अविस्मरणीय बना दिया है। इसके लिए उन्होंने सभी गुरु भगवंतों का आभार माना। उन्होंने कहा कि साधु-संतों की कभी विदाई नहीं होती।

संयम का सबक सीखाकर संतों ने किया विहार, दादाबाड़ी से सदर बाजार जैन मंदिर पहुंचे

गलतियों के लिए क्षमा-याचना

कार्यक्रम के अंत में समिति और संघ ने साधु-साध्वियों से मिच्छामि दुक्कड़क कर जाने-अनजाने हुई गलतियों के लिए क्षमा-याचना की। फिर साधु भगवंत दादाबाड़ी से विहार कर सदर बाजार जैन मंदिर पहुंचे। मंगलवार को प्रातः 6:15 बजे वे यहां से वॉलफोर्ट सिटी के लिए प्रस्थान करेंगे। नव दीक्षित मुनि भगवंत भी साधु महाराज के साथ विहार कर रहे हैं।

पधान तप के बाल तपस्वियों का भी सम्मान

इस दौरान ट्रस्ट मंडल, चातुर्मास समिति और श्रीसंघ ने भी गुरुजनों के प्रति भाव प्रगट किए। श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया, अभय भंसाली, प्रकाशचंद सुराना, जयचंद बैद, प्रकाश गोलछा, सुपारस गोलछा, नंदनी बुरड़ सहित अन्य का आयोजन में सहयोग रहा‍ उन्होंने कहा, गुरु भगवंतों जितना विनय गुण हमारे भीतर आ जाए, तो जीवन सफल हो जाए। न राग, न द्वेष। गुरु भगवंतों के जीवन में केवल सरलता है। गुरु भगवंतों की कृपा से ही इस चातुर्मास के पूरे 4 माह दादाबाड़ी में जप-तप की झड़ी लगी रही। कार्यक्रम के दौरान उपधान तप के बाल तपस्वियों का भी सम्मान किया गया।

केन्द्र व राज्य की परीक्षा के मायने अलग, क्लियर करने रोजाना करें ग्रुप स्टडी, साक्षात्कार में जानकारी होने पर ही दें उत्तर

रायपुर। केन्द्र और राज्य स्तर पर अलग-अलग तरह की प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। इसके मायने अलग होने के साथ तैयारी और उसे पास करने के लिए प्रयास भी बेहतर होना चाहिए। अच्छा होगा कि दोनों ही तरह की परीक्षाओं की तैयारी के लिए ग्रुप स्टडी को ही तवज्जो दें। इससे परीक्षा पास करने में आसानी होगी। कुछ इसी तरह के संवादों संग मुख्य अतिथि प्रशासनिक अधिकारी एस.झा सिविल लाइन स्थित युवा संस्था में तैयारी करने वाले युवाओं से मुखातिब हुए।

इस दौरान पीएससी प्री कैश कोर्स, एसएससी, बैंकिंग, रेलवे एनटीपीसी, एसएससी जीडी, आरपीएफ, छग पुलिस, एसआई के स्पेशल बैच के मौजूद युवाओं से जुड़े। उद्बोधन में अपने प्रारंभिक जीवन के संघर्ष को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि एक छोटे से गांव में मौजूद सुविधा और संसाधनों का उपयोग करते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू की। सिर्फ अपने आत्म विश्वास के दम पर ही बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, जेएनयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययन के साथ प्रथम प्रयास में ही वर्ष 1991 की एमपी पीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद साक्षात्कार में दूसरा सर्वोच्च अंक अर्जित किया। सेमिनार में युवाओं के सवालों का भी जवाब दिया।

... तो नए सवाल का करें इंतजार

संस्था में तैयारी के बाद सीजीपीएससी पास करने वाले युवाओं के लिए मॉक इंटरव्यू का आयोजन किया गया। जहां पैनल में एस.झा के साथ शिक्षाविद् बीपी अग्रवाल, डिग्री गर्ल्स कॉलेज के डॉ.कीर्ति श्रीवास, छग कॉलेज के प्रो. सुनील तिवारी ने पीएससी द्वारा इंटव्यू के लिए चयनित मोनिका वर्मा एवं गौरव साहू के अलावा तीर्थेश्वर निर्मलकर, तारिणी सप्रे, दुर्गेश साहू, पुष्पेंद्र, विकास सिंह का मॉक इंटरव्यू लिया। सभी को टिप्स देते हुए बताया कि साक्षात्कार कक्ष में जाने के बाद शालीनता से खड़े हों। जब बैठने कहा जाए तभी बैठें। पूछे गए सवालों का संतुलित शब्दों में जवाब दें। सही उत्तर पता होने पर ही बताएं, नहीं तो क्षमा मांगते हुए नए सवाल का इंतजार करें।

रायपुर संभाग के 850 श्रद्धालु करेंगे अयोध्या-काशी दर्शन

रायपुर। सरकार द्वारा शुरू की गई श्रीरामलला दर्शन योजना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। रायपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर सोमवार को विशेष ट्रेन अध्योध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन को खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा एवं विधायक पुरेंदर मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। अध्योध्या धाम के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं का रायपुर स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। गाजे-बाजे और पारंपरिक नृत्य से उनका स्वागत हुआ। ये श्रद्धालु काशी विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। रायपुर रेलवे स्टेशन पर भजन गाते हुए विशेष ट्रेन में सवार होकर यात्री रवाना हुए। इसमें शामिल बुजुर्गों ने कहा, उम्र के इस पड़ाव में सभी को तीर्थ यात्रा की इच्छा रहती है, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों के चलते यह संभव नहीं हो पाता है। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां ठहरने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते, खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षाकर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर उमाशंकर बंदे, जिला पंचायत अतिरिक्त सीईओ हरिकृष्ण जोशी भी उपस्थित रहे।

कार्नर न्यूज

रायपुर रेल मंडल में 'जश्न-ए-अभिनय', रेल कर्मचारियों ने की शिरकत

दिलों को छू गया आषाढ़ का एक दिन... 'अश्वत्थामा' ने दिलाई महाभारत की याद

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा सोमवार को अंतर मंडलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता जश्न-ए-अभिनय के अंतर्गत एकांकी नाटक, एकल अभिनय व मिमिक्री प्रतियोगिता का आयोजन रेल अधिकारी क्लब में किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि मंडल प्रबंधक संजीव कुमार रहे। कार्यक्रम में डीआरएम ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है, नाटकों के माध्यम से हम समाज में फैली बुराईयों एवं कुरूतियों को प्रकट कर समाज को जागृत कर सकते हैं। कार्मिक अधिकारी प्रभारी राहुल गर्ग ने कहा, प्रतियोगिता आपसी रण की नहीं अपितु सभी कलाकारों के आपसी समन्वय से एक-दूसरे की कला को सीखते हुए, अभिनय का जश्न मनाने के लिए है। प्रतियोगिता में दपूम रेलवे के अंतर्गत रायपुर की 3, नागपुर की 2 व मुख्यालय की 1 टीम ने अपनी भागीदारी दी। समापन समारोह में श्रेष्ठ प्रस्तुतियों को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश त्रिवेदी ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

समय अधिक शक्तिशाली

नाटक आषाढ़ का एक दिन में प्रेम की भावना का बड़ा हृदयस्पर्शी वर्णन किया गया। नाटक में बताया गया कि निश्चित ही प्रेम त्याग मांगता है, जबकि महत्वाकांक्षा मनुष्य का मनुष्यत्व। प्रेम का निर्मल और सात्विक रूप इस नाटक की मुख्य पात्र मल्लिका का रहा, जो नाटक के नायक कवि कालिदास से अगाध प्रेम करती है। बदलते नाटकीय घटनाक्रम में एक दिन कालिदास अपने ग्राम को छोड़कर उज्जैन चला जाता है और राजभोग में डूब जाता है। इधर मल्लिका उसकी प्रतीक्षा करती रहती है। लंबा समय बीत चुका है। समय काल लोग सब बदल चुके हैं। मल्लिका का प्रेम अब भी अडिग है। अंत में ऐसे ही काले मेघों से घिरे बरसात में कालिदास का प्रवेश होता है। कालिदास को लगता है कि उसके किए का प्रायश्चित हो जाएगा और वो मल्लिका के साथ एक नए जीवन की शुरुआत करेगा, परन्तु तभी उसे गहरा आघात लगता है। उसे मालूम चलता है कि मल्लिका अब विलोम की पत्नी बन चुकी है। कल्पनाजीवी कालिदास को बोध होता है कि समय और इच्छा के द्वंद में समय अधिक शक्तिशाली होता है क्योंकि वह प्रतीक्षा नहीं करता।

एकल अभिनय में नागपुर अव्वल

नाटक प्रतियोगिता में रायपुर मंडल के नाटक 'अश्वत्थामा' को प्रथम , नागपुर मंडल के नाटक ' धड़ीचा' को द्वितीय व मुख्यालय के नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। एकल अभिनय में नागपुर मंडल की तनुश्री चौहान प्रथम, मीनल चौकसे ने द्वितीय एवं मुख्यालय की रूपेश्वरी भोंसले ने तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं मिमिक्री प्रतियोगिता मे नागपुर मंडल के आशीष पाल प्रथम, रायपुर मंडल के सूर्यकांत वर्मा द्वितीय वंकेसरी बाग तीसरे स्थान पर रहे।

कैंपस लाइव

संविधान यात्रा : महाविद्यालयों व विद्यालयों में होगी प्रश्नोत्तरी

रायपुर। संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ में संविधान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए राज्य के स्कूल, कॉलेज और ग्राम पंचायतों में साल भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' का टैगलाइन निर्धारित किया गया है। स्कूली बच्चों को www.mygov.in पर MyGov प्रतियोगिताओं और MyBharat.gov.in पर युवा सहभागिता गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्कूलों और कॉलेजों में प्रश्नोत्तरी वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। अनुसूचित जाति, जनजाति गांवों में 15 दिवसीय संविधान यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के दौरान, जहां भी बाबा साहेब की प्रतिमाएं होंगी, उन पर पुष्पांजलि अर्पित किया जाएगा। ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का भी आयोजन होगा, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 51ए के तहत नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों को पढ़ा और समझाया जाएगा। इस मौके पर जीवित स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा।

संवैधानिक मुद्दों पर वाद-विवाद, सेमीनार

संविधान सभा के सदस्यों से जुड़े गांवों में, जिसमें संविधान सभा की महिला सदस्यों के योगदान पर विशेष जोर देते हुए विशेष समारोह आयोजित किए जाएंगे। स्कूलों और कॉलेजों में संविधान के प्रावधान, संविधान निर्माण की प्रक्रिया, मौलिक अधिकार, कर्तव्य एवं राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत तथा नवीनतम संशोधन आदि विषयों पर प्रश्नोत्तरी आयोजित किया जाएगा। साथ ही नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों तथा अन्य संवैधानिक मुद्दों पर वाद-विवाद सेमीनार, जिसमें सामाजिक सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, समय के साथ चुनौतियों का सामना करने के लिए संविधान को लचीला बनाने तथा नवीनतम तथा प्रमुख संशोधनों की जानकारी देने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

धर्म लाइव

आएंगे धार्मिक पीठ के धर्मानुरागी बताएंगे सनातन धर्म के नियम

रायपुर। भारत की संस्कृति धर्म संतों के मार्गदर्शन और ईश्वर में आस्था पर निर्भर है। संसार में सभी कार्यों के मूल में धर्म होता है। इसके बिना किसी कार्य को करना संभव नहीं है, क्योंकि यही हमारे देश की संस्कृति रही है। शहर के सन्यासी पारा स्थित श्री ललिता देवी मंदिर असंगानंद आश्रम में 28 नवंबर से चार दिवसीय स्वर्णोत्सव समारोह का शुभारंभ होने जा रहा है। यह जानकारी सोमवार को पत्रकारों के बीच विष्णुसेवानंदगिरी स्वामी, जी.स्वामी व मोहन नायडू ने देते हुए बताया कि मंदिर प्रांगण से गुरुवार को दोपहर तीन बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें 108 महात्माओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा कलश धारण किया जाएगा। मंदिर क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद विधि-विधान से इस शोभायात्रा का समापन किया जाएगा।

हर दिन पूजा एवं प्रवचन

आगे बताया कि शुक्रवार यानी 29 नवंबर को सुबह 6.30 बजे सौभाग्य लक्ष्मी पूर्णकलश स्थापना से पूजा का शुभारंभ होगा। इसके साथ ही संत-महंतों के द्वारा समाज को नई दिशा देने और सनातन धर्म का पालन किस तरह से करना चाहिए, इसको लेकर प्रवचन दिया जाएगा। यह क्रम एक दिसंबर तक चलेगा। अंतिम दिन भोग-भंडारे के साथ इस चार दिवसीय समारोह का समापन किया जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए विभिन्न धार्मिक पीठ के धर्मानुरागी आने वाले हैं। क्षेत्र के लोग भी इसका हिस्सा बनेंगे।

समाज इवेंट

क्विज में बच्चों ने परखी बुद्धिमता

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवा समिति द्वारा गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल केसला में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षिक विकास को बढ़ावा देना था। इसके अंतर्गत विभिन्न शैक्षिक और मनोरंजन गतिविधियां रखी गईं। कविता पाठ में बच्चों ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की, जो उनके विचारों और कल्पनाशक्ति को प्रकट करती थीं। क्विज प्रतियोगिता में भी भाग लिया। बच्चों को शैक्षिक सामग्री जैसे कॉपियां, पेन, बैग और परीक्षा कार्डबोर्ड वितरित किए गए। इसके अलावा जूस सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमित बर्मन ने की। शुभम कुर्रे, अमन कुमार, कपिल जांगड़े, पंकज जांगड़े, रविंद्र बारले, वेदप्रकाश सहित अन्य ने सहयोग किया।

भूजल पर शोध करेगा एनआईटी

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और राजीव गांधी राष्ट्रीय भूजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के बीच एक एमओयू किया गया। भूजल के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए यह समझौता हुआ है। इस समझौते में कई प्रमुख सहयोग क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

इसमें बातचीत के लिए एक सामान्य मंच का निर्माण, सहयोगात्मक शोध प्रबंधों और इंटर्नशिप के माध्यम से ज्ञान साझा करने की क्षमता को मजबूत करना, युवा पीढ़ी को शामिल करते हुए नवाचारपूर्ण विचारों के माध्यम से अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना, विभिन्न पत्रिकाओं में शोध परिणामों को व्यापक रूप से प्रकाशित करना जैसी चीजें शामिल हैं।

● क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के लिए वन और पर्यटन विभाग के 80 प्रतिशत रिसॉर्ट बुक

नए साल में यूरोपियन सिटी कपल की पसंद, देश में केरल-दार्जिलिंग व प्रदेश में मैनपाट जाने बढ़ी बुकिंग

ठंड बढ़ने के साथ प्रदेश के पर्यटन स्थल पर्यटकों से गुलजार होने लगे हैं। बरसात और गर्मी की तुलना में नवंबर से जनवरी के बीच ठंड में ज्यादातर लोग हिल स्टेशन और जंगलों के भ्रमण के लिए पहुंचते हैं। क्रिसमस और नए साल को लेकर बुकिंग तेजी से होने लगी है। छत्तीसगढ़ में क्रिसमस को लेकर इस बार जशपुर में बुकिंग देखने को मिल रही है। जशपुर के कुनकुरी में एशिया का दूसरा सबसे बड़ा चर्च है। यहां क्रिसमस में उत्सव मनाया जाता है।

आसान कनेक्टिविटी वाले शहर को प्राथमिकता

ठंड और प्रकृति के बीच ज्यादातर लोग नए साल का स्वागत करना चाहते हैं। इसे लेकर दर्जनभर से अधिक लोगों ने मनाली और कसोल के लिए दिल्ली और मुंबई से फ्लाइट बुकिंग कराई है। रायपुर से दिल्ली की बुकिंग अधिक मिली है, क्योंकि शिमला जाने सीधे फ्लाइट और ट्रेन की सुविधा नहीं है। नए साल को खास बनाने प्रदेश से कई लोग दूसरे राज्यों में घूमने का प्लान बना रहे हैं। नई जगह पर जाने ट्रेव्हल एजेंसी की मदद ले रहे हैं। ग्रुप ट्रिप में ज्यादातर लोग कश्मीर और हिमाचल जाना पसंद कर रहे हैं। यहां जाने के लिए पूछ-परख बढ़ गई है। इसके अलावा लेह लद्दाख, अरकू वैली, दार्जिलिंग और जोधपुर सिटी के लिए बुकिंग करा रहे हैं। ट्रेव्हल एजेंसी संचालकों के मुताबिक, प्रदेश के बाहर उत्तराखंड की लंढौर सिटी के लिए पर्यटक बुकिंग करा रहे हैं। पहाड़ों पर बसे होने के कारण यह शहर लोगों को विदेश में होने का एहसास कराता है। इस वजह से रायपुर से हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक वहां जाते हैं। उत्तराखंड के अलावा हिमाचल व कश्मीर घूमने नए साल के लिए सर्वाधिक बुकिंग मिली है।

रायपुर। वर्तमान में जशपुर के पहाड़ों में ट्रैकिंग शुरू होने के बाद लोग बड़ी संख्या में पहुंचने लगे हैं। इससके अलावा नए साल को लेकर प्रदेश के अभ्यारण 80 प्रतिशत बुक हो चुके हैं। बारनवपारा, अचानकमार और कांगेर वैली में वन विभाग के रिसोर्ट में 20 प्रतिशत कमरे ही बचे हैं। पर्यटन विभाग के बारनवपारा रिसोर्ट 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक बुक हो चुके हैं। यही स्थित मैनपाट और चिल्फी घाटी में भी है। अचानकमार में शेर की दहाड़ और हिरणों का झुंड पर्यटकों को रोमांचित करने लगा है। दूसरी ओर बारनवापारा में भी तेंदुआ दिखाई देने लगा है। इन दिनों सर्दियों में जंगल भ्रमण को लेकर बुकिंग और पर्यटकों की संख्या अधिक है। हरिभूमि ने ठंड में पर्यटकों के पसंदीदा स्थल जानने वन और पर्यटन विभाग के सहित ट्रेव्हल एजेंसीज से बातचीत की।

वन्यप्राणियों का विचरण और जिप्सी भ्रमण का रोमांच

छत्तीसगढ़ के सर्वाधिक पर्यटक इस विंटर सीजन में जंगलों का भ्रमण करना चाहते हैं। इसके लिए अचानकमार टाइगर रिजर्व में बना वन विभाग का बैगा रिसॉर्ट दीपावली और क्रिसमस के लिए बुक होने लगा है। यहां हरियाली और खुली में जिप्सी भ्रमण का रोमांच और वन्यप्राणियों का विचरण करीब से देखा जा सकता है। इस तरह जंगलों से घिरे बार नवापारा में भी ठंड अधिक पड़ती है। ठंड में यहां जितनी सुहानी शाम होती है, उतनी ही सुबह भी। इस वजह से पर्यटकों को बार नवापारा घूमना खूब भाता है। यहां दिसंबर में शनिवार, रविवार के लिए रिसॉर्ट अभी से ज्यादतार बुक हो चुके हैं।

कमलेश्वरपुर में नया रिसॉर्ट

ठंड के साथ ही मैनपाट एक बार फिर छत्तीसगढ़ का शिमला बन चुका है। यहां पहाड़ों पर पर्यटन के साथ प्राइवेट होटल की भी सुविधा है। पर्यटन विभाग के मुताबिक, कमलेश्वरपुर में नए रिसोर्ट की सुविधा मिलने से इस बार पर्यटकों को क्रिसमस और नए साल में दिक्कत नहीं होगी। अब मैनपाट में दो रिसॉर्ट हो चुके हैं। प्राइवेट होटल में भी विंटर के लिए अभी से पूछ-परख बढ़ चुकी है। तिब्बती समुदाय के लोग यहां पहाड़ों में नाइट कैंप और अन्य गतिविधि आयोजित करते हैं। यहां ठंड के साथ बुकिंग बढ़ गई है। पर्यटन के दोनों रिसोर्ट दीपावली और क्रिसमस के लिए पैक्ड हैं। नए साल को लेकर बुकिंग चल रही है।

फ्री वीजा वाले देश को प्राथमिकता

नए साल में घूमने के लिए दूसरे राज्यों के हिल स्टेशन के साथ विदेश जाने का भी मन बना लिया है। विदेश यात्रा के लिए पर्यटक ऐसे देश जाने चाहते हैं, जहां भारतीयों के लिए वीजा फ्री है। इसमें थाईलैंड, सिंगापुर व नेपाल और भूटान देश शामिल है। व्यास ट्रेव्हल एजेंसी के मुताबिक नए साल में रायपुर से काफी लोग यूरोपियन सिटी जाना पंसद कर रहे हैं। कुछ सालों से यह ट्रेंड जैसा बन गया है। इसके अलावा अंडमान और गोवा, केरल जैसी राज्यों में भी बुकिंग देखने को मिली है। ट्रेव्हल एजेंसी के अभिषेक राणा ने बताया, एजेंसी देश के सभी राज्यों में सक्रिय है। वे क्रिसमस और नए साल पर कश्मीर, लेक और हिमाचल प्रदेश की ग्रुप यात्रा करा रहे हैं, जिसमें शहर से अभी तक 10 लोग बुकिंग करा चुके हैं। 20 हजार से 80 हजार तक के पैकेज हैं।

राम वनवास से कृष्ण लीला तक...

रायपुर। माठागांव स्थित न्यू बस स्टैंड मार्ग इन दिनों पौराणिक रंग में रंग गया है। बस स्टैंड से माठागांव चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर प्रशासन द्वारा आकर्षक कलाकारी की गई है। तस्वीरों के साथ ही दीवारों पर प्रतिमाओं को उकेरा गया है। इसमें रामायण के कई दृश्यों का सुंदर चित्रण किया गया है। श्रीराम के वनवास, सीता हरण सहित कई दृश्य यहां नजर आ रहे हैं। इसी तरह कृष्णलीला संबंधित दृश्यों पर भी बरबस ही नजरें ठहर रही हैं।

नाट्य मंचन में दिखा टोनही प्रताड़ना का भयावह सच

रायपुर। भारतीय संविधान दिवस के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन रविवि के विधि अध्ययनशाला में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विधिक जागरूकता लाना था। इस उद्देश्य को छात्र- छात्राओं द्वारा कार्यक्रम में नुक्कड़-नाटक, नृत्य, संगीत आदि प्रस्तुति के माध्यम से सफल बनाया गया। स्वतंत्रता सेनानियों एवं भारतीय संविधान के निर्माताओं को याद किया गया। टोनही प्रताड़ना, मानव तस्करी और अस्पृश्यता जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों को नाटक, गीत व नृत्य के माध्यम से दिखाया गया। मुख्य अतिथि के विधि एवं विधायी कार्य विभाग के सचिव रजनीश श्रीवास्तव रहे। कुलपति प्रो.सच्चिदानंद शुक्ला, विधि विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव चौधरी, डॉ. प्रिया राव सहित विभाग के अतिथि शिक्षकगण, स्टाफ, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जरूरी नहीं कि आप टॉपर हों

रजनीश श्रीवास्तव ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता पाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप टॉपर ही हों। यदि आप मेहनत करते हैं तो किसी भी मुकाम को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा, संविधान एक सामाजिक–आध्यात्मिक दस्तावेज है, एक जीवनशैली हैं जो हमें अच्छा कर्म करना सिखाती है, क्योंकि आपके हर कर्म का निर्धारण संविधान से जुड़ा हुआ है। कुलपति ने कहा, भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान है। प्रो. राजीव चौधरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, संविधान में न्याय व्यवस्था और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। विधि विद्यार्थियों की यह जिम्मेदारी है कि न्याय को सुदृढ़ बनाने में और विधिक शिक्षा को उच्चतर स्तर तक पहुंचाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें।

सामने आती रही हैं फेंसिंग चोरी होने की घटनाएं, समाधान के लिए छग के किसान का नवाचार

कार्नर न्यूज

बाहु-बल्ली : बांस से बनाया इको फ्रेंडली सुरक्षा उपकरण सड़कों में रेलिंग व फेंसिंग लगाने अब स्टील दूसरा विकल्प

रायपुर। बदलते समय के साथ लोहे और स्टील के दाम बढ़ते जा रहे हैं। इस वजह से सड़कों में फेंसिंग पोल, रेलिंग, फेंसिंग लगाने की लागत भी बढ़ती जा रही है। अक्सर देखा जाता है कि शहरों व गांवों में सड़क किराने लगी यह फेंसिंग चोरी हो जाती है, जिससे सरकार व प्रशासन को नुकसान भी काफी होता है। लेकिन अब देश को इसका दूसरा विकल्प छत्तीसगढ़ के किसान के नवाचार से मिल गया है। बीते दिनो राजधानी में आयोजित हुए भारतीय सड़क कांग्रेस के 83वें अधिकवेशन में देश के परिवहन मंत्री नितिन गडकरी छत्तीसगढ़ के किसान गणेश वर्मा के कार्यों से प्रभावित हुए थे। बता दें कि गणेश ने बांस से इको फ्रेंडली रोड-रेलवे सुरक्षा उपकरण तैयार किया है, जिसे बाहु-बल्ली नाम दिया है। बांस से बने सुरक्षा उपकरणों को नेशनल हाईवे के 60 अलग-अलग स्थानों में 12 किमी से अधिक बंबू क्रैश बैरियर के रूप में इस्तेमाल भी किया जा रहा है। रेलवे में 20 किमी से अधिक का फैंसी पोल और चार किमी से अधिक कैटल फेंस लगाई गई है। वंदे भारत ट्रेन रूट पर कैटल फेंस लगाए जाने का ऑर्डर दिया गया है।

सस्ता और किफायती विकल्प

किसाना का बाहु-बल्ली अब स्टील का विकल्प बनाता जा रहा है। इसका इस्तेमाल फेंसिंग पोल, रेलिंग, फेंसिंग, इलेक्ट्रिक पोल सुरक्षा सहित घरेलू उपयोगी चीजें भी बनाई जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़े पैमाने पर उत्पादन में बांस स्टील की तुलना में किफायती साबित हो सकता है। रेलवे और सड़क परिवहन मंत्रालय बांस आधारित बाड़ लगाने के उपायों को लागू करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं, ताकि अतिक्रमण और जानवरों की टक्कर से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। लोहा चोरी होने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। ऐसे में बांस से बना यह उपकरण बेहतर विकल्प है।

स्टील की तुलना में कीमत भी आधी

किसान ने बताया कि इस कार्य की शुरू 2021 में हुई थी। इस दौरान पहले विभिन्न बांसों के उपयोग के अनुसंधान पेपरों का अध्ययन किया। इसके बाद विशेषज्ञों की मदद से अधिक मजबूती वाले बांस की प्रजाति पर पानी, धूप और दीमकरोधी ट्रीटमेंट किया, पालीमर से कोटिंग की। इससे बांस लोहे की तरह मजबूत हो गया। इसे पेटेंट भी कराया। स्टील की तुलना में बांस के उपकरण की कीमत भी आधी से भी कम है। किसान ने भव्य सृष्टि उद्योग के नाम से स्टार्टअप शुरू किया और अब उनका टर्न ओवर 10 करोड़ तक पहुंच गया। जिस बांस का उपयोग सुरक्षा उपकरण बनाने में हो रहा है वह असम का बम्बुसा बालकोया प्रजाति का है। इसके लिए छत्तीसगढ़ में भी उपयुक्त जलवायु पाई गई है। गणेश ने अब किसानों से अनुबंध करना शुरू कर दिया है।

सिटी स्पोर्ट्स

हरगुन और जसराज का कॉमनवेल्थ कराते चैंपियनशिप के लिए चयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी हरगुन कौर मनचंदा एवं जसराज सिंह मनचंदा का कॉमनवेल्थ कराते चैंपियनशिप के लिए सबजूनियर वर्ग में भारतीय टीम मे चयन किया गया है। यह प्रतियोगिता 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक डरबन, साउथ अफ्रीका में आयोजित किया जाना है। इस प्रतिस्पर्धा में जसराज (8 वर्ष) पुरुष वर्ग के अंडर-10 वर्ष आयु वर्ग में +30 कि.ग्रा. में तथा हरगुन (10 वर्ष) महिला वर्ग के अंडर-12 वर्ष आयु वर्ग में -40 कि.ग्रा में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह प्रतिस्पर्धा कॉमनवेल्थ कराते फेडरेशन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कोच तुषार परगनिहा ने जानकारी दी की हाल ही में वुहान, चीन में आयोजित एशियन यूथ कराते टूर्नामेंट में हरगुन एवं जसराज ने सब जूनियर वर्ग मे शानदार प्रदर्शन किया था। इस प्रतिस्पर्धा में जसराज (8 वर्ष) पुरुष वर्ग के अंडर-10 वर्ष आयु वर्ग में -40 कि.ग्रा. में भारतीय टीम का प्रतिविधित्व करते हुए चीन को 7-2, मकाउ को 6-1 तथा सेमीफाइनल मे मकाउ के ही खिलाड़ी को 7-0 से हराते हुए फाइनल मे जगह बनाई। फाइनल मे जसराज का मुकाबला मलेशिया के खिलाड़ी से हुआ, जिसमें वह आखिर क्षणों तक 2-0 तक आगे रहे किन्तु मुकाबला मलेशिया के नाम रहा और जसराज सिंह को रजत पदक हासिल हुआ। हरगुन ने छत्तीसगढ़ में आयोजित विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण पदक तथा जसराज ने 11 स्वर्ण पदक के साथ-साथ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दोनो ने रजत पदक तथा लगातार दो वर्षों में वेस्ट जोन प्रतियोगिताओं मे दोनों ने स्वर्ण पदक हासिल किया है।

ज्योतिष शास्त्र

दिसंबर में 4 ग्रह बदलेंगे अपनी चाल, खुल जाएगी इन राशि वालों की किस्मत

ज्योतिष शास्त्र की गणना के अनुसार, दिसंबर का महीना ग्रह-गोचर के दृष्टिकोण से बहुत शुभ है। दिसंबर के महीने में सूर्य समेत चार प्रमुख ग्रह अपनी चाल में बदलाव करेंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, साल के आखिरी महीने में सबसे पहले धन के कारक शुक्र का राशि परिवर्तन होगा। शुक्र ग्रह 2 दिसंबर को मकर राशि में प्रवेश करेंगे। उसके बाद 7 दिसंबर को मंगल देव कर्क राशि में उल्टी चाल शुरू करेंगे। इसके अलावा 15 दिसंबर को ग्रहों के राजा सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, 16 दिसंबर को बुध ग्रह वृश्चिक राशि में फिर से मार्गी हो जाएगा। साल के आखिर में यानी 28 दिसंबर को शुक्र कुंभ राशि में गोचर करेगा। शुक्र के कुंभ राशि में प्रवेश करने से शुक्र-शनि की युति होगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि दिसंबर का महीना किन पांच राशियों के लिए शुभ रहने वाला है.

मेष राशि : इस राशि के लिए दिसंबर का महीना बेहद शुभ रहने वाला है। मेष राशि के जातक को आर्थिक लाभ के साथ-साथ तरक्की के कई प्रबल योग बनेंगे। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और प्रभावों में वृद्धि होगी। नए लोगों के संपर्क से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा जातकों को यात्रा योग से धन लाभ हो सकता है। कारोबार में मनचाही सफलता मिल सकती है। व्यापार करने वालों के लिए यह महीना लाभकारी रहेगा।

वृषभ राशि : ग्रहों के शुभ प्रभाव से वृषभ राशि के जातकों को जीवन में तरक्की का भरपूर अवसर प्राप्त होगा। व्यापार करने वालों को विदेश यात्रा का योग बनेगा। इस दौरान कोई नया व्यापार शुरू कर सकते हैं। कारोबार में अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। नौकरी में प्रमोशन का योग बनेगा। सैलरी में बढ़ोतरी की भी संभावना बन सकती है।

सिंह राशि : इस साल का आखिरी महीना सिंह राशि के लिए अनुकूल रहने वाला है। व्यापार करने वाले जातक कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। व्यापार में आकस्मिक धन लाभ का योग बनेगा। जीवनसाथी के साथ खुशनुमा पल बिताने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान लव लाइफ बहुत अच्छी रहेगी।

मकर राशि : दिसंबर का महीना मकर राशि के लिए भी शुभ कहा जाता रहा है। इस दौरान करियर में जबरदस्त उन्नति होगी। काम को लेकर दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है। हालांकि, यह यात्रा लाभकारी साबित होगी। बिजनेस करने वाले जातकों को इस दौरान अच्छी तरक्की होगी। काम को आगे बढ़ाने का भरपूर अवसर मिलेगा।

मीन राशि : साल के आखिरी महीने में मीन राशि के जातकों की हर मनोकामना पूर्ण होगी। इस दौरान नौकरी और व्यापार में तरक्की के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। साझेदारी वाले व्यापार में भी तरक्की का योग बनेगा. कार्यस्थल पर अपनी क्षमता दिखाएंगे, जिसका लाभ मिलेगा। सेहत को लेकर भी यह महीना अनुकूल रहने वाला है।

संपूर्ण स्वास्थ्य का समर्थन करके वजन घटाने में कर सकता है मदद

सर्दियों में बनाकर पीएं गर्मा-गर्म हल्दी वाली कॉफी, मिलेंगे स्वास्थ्य संबंधी कई लाभ

सर्दियों के दौरान लोग अपने शरीर को गर्माहट पहुंचाने के लिए चाय और चॉकलेट वाले दूध जैसे गर्म पेय पदार्थों का सेवन करते हैं। हालांकि, इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। इनके बजाय आप सर्दियों की देखभाल के लिए डाइट में गर्मा-गर्म हल्दी वाली कॉफी शामिल कर सकते हैं। यह एक ऐसा पेय है, जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य का समर्थन करके वजन घटाने में मदद कर सकता है और इसे बनाना भी बेहद आसान होता है।

पहले जानें इस पेय को बनाने का तरीका

हल्दी वाली कॉफी की रेसिपी आसान होती है और इसे बनने में ज्यादा समय भी नहीं लगता है। इसके लिए सबसे पहले कॉफी को गर्म पानी में फेंटकर एस्प्रेसो शॉट तैयार कर लें। अब एक छोटा कटोरा लेकर उसमें हल्दी पाउडर, काली मिर्च का पाउडर और दालचीनी पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को कॉफी शॉट में डालकर मिला लें। इसमें गर्म दूध डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अगर आप इसे मीठा बनाना चाहते हैं तो आप इसमें शहद मिला सकते हैं।

पाचन स्वास्थ होता है दुरुस्त

सर्दियों में लोग ज्यादा भोजन कर लेते हैं, जिसके कारण पेट संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ऐसे में आप हल्दी वाली कॉफी को खान-पान का हिस्सा बनाने पर विचार कर सकते हैं। इसके सेवन से पाचन स्वास्थ्य दुरुस्त हो सकता है और कब्ज से राहत मिल सकती है। हल्दी पित्त उत्पादन को उत्तेजित करती है, जो वसा को जलाने में सहायक होता है और पाचन को बढ़ावा देता है। इसे कॉफी से साथ मिलाने से अपच का इलाज होता है।

त्वचा बनती है स्वस्थ

हल्दी वाली कॉफी का नियमित सेवन त्वचा की देखभाल करने के लिए भी मददगार साबित हो सकता है। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल और एंटी-सेप्टिक गुण मौजूद होते हैं। इनके कारण त्वचा पर होने वाले मुंहासे, लालपन और दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं। वहीं, कॉफी रक्त संचार में सुधार करके पोषक तत्वों को त्वचा कोशिकाओं तक पहुंचाने में सहायता करती है, जिससे त्वचा चमकदार बन जाती है।

प्रतिरक्षा प्रणाली होती है मजबूत

हल्दी एक ऐसा खाद्य पदार्थ है, जिसे सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरियल, एंटी-सेप्टिक और एंटीफंगल गुण इसे संक्रमण, सर्दी और जुखाम से लड़ने के लिए एक बेहतरीन घरेलू नुस्खा बनाते हैं। दूसरी ओर, क्लोरोजेनिक एसिड और कैफेस्टोल जैसे यौगिकों की उपस्थिति के कारण कॉफी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में योगदान दे सकती है। हल्दी वाली कॉफी पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और बीमारियों से बचा जा सकता है।

खट्टे-मीठे स्वाद से भरपूर स्ट्रॉबेरी से बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन

स्ट्रॉबेरी एक ऐसा फल है, जो अपने मीठे और खट्टे स्वाद के लिए जाना जाता है। यह न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें विटामिन-सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं। आमतौर पर स्ट्रॉबेरी का उपयोग डेसर्ट और शेक्स में किया जाता है। आइए आज हम आपको स्ट्रॉबेरी से बनाए जाने वाले व्यंजनों की कुछ रेसिपी बताते हैं, जिन्हें घर पर आसानी से बनाया जा सकता है।

स्ट्रॉबेरी की चटनी : स्ट्रॉबेरी की चटनी एक अनोखा और स्वादिष्ट विकल्प है, जिसे आप अपने खाने के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको ताजी स्ट्रॉबेरी, हरा धनिया, पुदीना पत्तियां, हरी मिर्च, नींबू का रस और नमक चाहिए। सबसे पहले सभी सामग्री को अच्छे से धो लें, फिर इन्हें मिक्सर में डालकर पीस लें जब तक कि यह एक चिकनी पेस्ट न बन जाए। इस चटनी को आप समोसे, पकौड़े या किसी भी स्नैक के साथ परोस सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी का पुलाव : स्ट्रॉबेरी पुलाव एक मीठा और खट्टा व्यंजन है। इसे बनाने के लिए आपको बासमती चावल, ताजी स्ट्रॉबेरी, चीनी, घी, काजू और किशमिश चाहिए। सबसे पहले चावल को धोकर 30 मिनट तक भिगो दें, फिर घी गर्म करके उसमें काजू-किशमिश भून लें। अब इसमें भिगोए हुए चावल डालें और हल्का-सा भूनें। इसके बाद पानी डालकर पकाएं जब तक कि चावल आधे पक जाएं। अब इसमें स्ट्रॉबेरी और चीनी मिलाएं और धीमी आंच पर पकने दें, फिर इसे गर्मागर्म परोसें।

स्ट्रॉबेरी का रायता : रायता तो आपने कई तरह का खाया होगा, लेकिन क्या आपने कभी स्ट्रॉबेरी रायता ट्राई किया है? इसे बनाने के लिए आपको दही, ताजी कटे हुए स्ट्रॉबेरीज, चीनी या शहद (स्वाद अनुसार), भुना जीरा पाउडर और नमक चाहिए। सबसे पहले दही को अच्छे से फेंट लें ताकि वह स्मूद हो जाएं। अब इसमें कटे हुए स्ट्रॉबेरीज मिलाएं साथ ही चीनी या शहद डालें। ऊपर से भुना जीरा पाउडर छिड़कें। आपका अनोखा रायता तैयार है।

स्ट्रॉबेरी की पूड़ी : पूड़ी तो आपने कई बार खाई होगी लेकिन क्या आपने कभी मीठी पूड़ी ट्राई की? इसे बनाने के लिए आपको गेहूं का आटा, सूजी, ताजा कटी हुई स्ट्रॉबेरी, गुड़, इलायची पाउडर चाहिए। सबसे पहले आटे में सूजी मिलाकर गूंथ लें, फिर गुड़ को पानी में घोल कर उसमें इलायची पाउडर मिला दें। अब इस मिश्रण को आटे में मिलाकर गूंथ लें। अंत में कटी हुई स्ट्रॉबेरी मिला कर छोटी-छोटी पूड़ी बेल कर तल लें।

स्ट्रॉबेरी इडली : इडली तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी मीठी इडली ट्राई की है? इसे बनाने के लिए इडली बैटर, ताजा कटी हुई स्ट्रॉबेरी, नारियल बूरा, गुड़ चाहिए। सबसे पहले इडली बैटर तैयार करें, फिर उसमें नारियल बूरा और गुड़ मिला दें। अंत में कटी हुई स्ट्रॉबेरी मिलाकर अच्छे से मिक्स करें और स्टीमर में रखकर स्टीम करें। आपकी मीठी और स्वादिष्ट स्ट्रॉबेरी इडली तैयार है, जिसे आप तुरंत परोस सकते हैं।

महिलाओं में बढ़ते मिसकैरेज की यह है वजह, आज ही जान लें मुख्य कारण

प्रेगनेंसी किसी भी महिला के जीवन का सबसे खास समय होता है, लेकिन कई बार मिसकैरेज के कारण उनका मातृत्व का सपना अधूरा रह जाता है। भारत में करीब 10 प्रतिशत महिलाएं मिसकैरेज की वजह से मां नहीं बन पातीं। दुनिया भर में हर 10 में से एक प्रेगनेंट महिला मिसकैरेज के दर्द से गुजरती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, हर साल दुनिया में 2.3 करोड़ महिलाओं को मिसकैरेज का सामना करना पड़ता है। कई महिलाओं को बार-बार इस दर्द को झेलना पड़ता है। आइए जानते हैं मिसकैरेज के प्रमुख कारण, ताकि इससे बचाव किया जा सके।

मिसकैरेज के प्रमुख कारण

गाइनेकोलॉजिस्ट्स के अनुसार, प्रेगनेंसी की पहली तिमाही में मिसकैरेज के सबसे बड़े कारण भ्रूण में क्रोमोसोमल गड़बड़ी, मां की स्वास्थ्य समस्याएं, और पर्यावरणीय कारण हैं।

भ्रूण में गड़बड़ी

प्रेगनेंसी में भ्रूण में क्रोमोसोमल गड़बड़ी होने पर गर्भपात का खतरा अधिक रहता है। यह सबसे आम कारण माना जाता है।

मां को स्वास्थ्य समस्याएं

महिला के शरीर में हार्मोनल असंतुलन, थायरॉयड, डायबिटीज, या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से भी मिसकैरेज हो सकता है। साथ ही, कुछ गंभीर संक्रमण जैसे टोक्सोप्लाज्मा, रूबेला, या साइटोमेगालोवायरस से गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है। गर्भाशय की संरचना में गड़बड़ी, सर्विक्स की कमजोरी, और फाइब्रॉइड जैसी समस्याएं भी इस स्थिति का कारण बन सकती हैं।

पर्यावरणीय और बाहरी कारण

कुछ दवाइयों का सेवन, प्रदूषण, जहरीली गैसों, और मर्करी जैसे खतरनाक तत्वों के संपर्क में आने से भी मिसकैरेज का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा, नशे की लत भी गर्भपात का एक प्रमुख कारण हो सकती है।

किडनी की समस्या वालों को नहीं खाना चाहिए संतरा

सर्दियों में संतरे खाने के ढेरों फायदे ज्यादा सेवन से हो सकती हैं परेशानियां

संतरा विटामिन सी रिच फूड है। यह आपकी स्किन, बाल और इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए बेस्ट माना जाता है। यह फल सर्दियों की परेशानियों के खिलाफ हमारे शरीर को मजबूत बनाने में सहयोग प्रदान करता है। क्या आप जानते हैं कि ठंड के मौसम में हर दिन एक संतरा खाने से आपको कितने फायदे हो सकते हैं? अगर नहीं तो आज आपको इस आर्टिकल में पता लग जाएगा, जिसे जानने के बाद आप भी इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाएंगे...

सर्दियों में संतरे खाने के फायदे : संतरे में फ्लेवोनोइड्स और कैरोटीनॉयड सहित कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी शरीर में फ्री रेडिकल्स को बेअसर करने में मदद करती है, जिससे ऑक्सीडेटिव तनाव से सुरक्षा मिलती है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह तत्व सेलुलर हेल्थ में योगदान देता है और पुरानी बीमारियों से लड़ने की क्षमता विकसित करता है। सर्दियों में संतरे का नियमित सेवन बेहतर हाइड्रेशन में योगदान दे सकता है, क्योंकि इनमें पानी की मात्रा अधिक होती है। इनमें मौजूद फाइबर ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। संतरे का सेवन हार्ट अटैक के जोखिम को कम करता है। वहीं, संतरे में फाइबर होता है, जो वजन घटाने में मदद करता है।

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए : संतरे में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, ऐसे में इनका अधिक सेवन पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके अलावा, खट्टे फलों से एलर्जी या किडनी की समस्या जैसी कुछ बीमारियों में संतरा खाने से परहेज करना चाहिए।

संतरे को किस समय खाना चाहिए : संतरे को ठंड के मौसम में 12 बजे के आसपास यानी दोपहर के समय खाना चाहिए. शाम को या रात में खाने से बचना चाहिए.

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'डेडपूल और वूल्वरीन' ने बजट से कई गुना कमाया

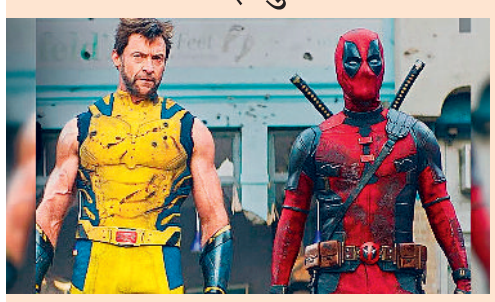

बॉक्स ऑफिस पर 2024 में कई फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड की मूवीज का नाम शामिल है। वहीं कई सुपरस्टार्स ने त्योहार का दिन या वीकेंड चुना। लेकिन इन फिल्मों में एक मूवी, जिसने सभी का ध्यान खींचा। वह थी डेडपूल एंड वूल्वरीन, जिसका बजट 1673 करोड़ था। लेकिन, दुनियाभर में इसने 11180 करोड़ की कमाई हासिल की थी। वहीं, अपना डंका बॉक्स ऑफिस पर बजाया था। डेडपूल ऐंड वूल्वरिन को भारत में इंग्लिश, हिंदी, तमिल, तेलुग, कन्नड़ और मलयालम में 26 जुलाई को रिलीज हुई थी। जबकि इससे पहले अक्षय कुमार की सरफिरा और विक्की कौशल की बैड न्यूज रिलीज हुई थी, जिसका बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हुआ था। लेकिन डेडपूल और वूल्वरीन ने 51.1 करोड़ की कमाई भारत में की थी। वहीं पहले ही हफ्ते में 113.23 करोड़ रुपए का ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन हासिल की थी। दर्शकों ने मार्वल स्टूडियोज की एक्शन एंटरटेनर डेडपूल और वुल्वरिन को जबरदस्त प्यार दिया है। इसके चलते बजट से कई गुना फिल्म ने कमाया। मार्वल स्टूडियोज की एक्शन फिल्म डेडपूल और वुल्वरिन रयान रेनॉल्ड्स और ह्यू जैकमैन की फिल्म डेडपूल एंड वुल्वरिन की कहानी और एक्शन दोनों को ही खूब पसंद किया जा रहा है।

टॉलीवुड

पारंपरिक अंदाज में होगा नागा चैतन्य-शोभिता का विवाह, 8 घंटे चलेंगी रस्में

अभिनेता नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने इस साल अगस्त में सगाई की। अब फैंस को इनकी शादी का इंतजार है। दोनों की शादी का कार्ड सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है। इसके मुताबिक यह जोड़ा 4 दिसंबर को शादी रचाएगा। फिलहाल दोनों घरों में जोर-शोर से शादी की तैयारियां चल रही हैं। सामने आ रही जानकारी के मुताबिक इनका विवाह पारंपरिक तरीके से होगा और सभी रस्मों का ख्याल रखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य की शादी की रस्में 8 घंटे चलेंगी। 4 दिसंबर को एक लंबा पारंपरिक तेलुगु ब्राह्मण विवाह समारोह का आयोजन होगा। दोनों सितारे इस आयोजन के सांस्कृतिक महत्व का सम्मान करते हुए शादी की सभी रस्में विधि-विधान से पूरी करेंगे। दिनभर पारंपरिक अनुष्ठान होंगे। शोभिता और नागा से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक 'दोनों परिवारों में जोर-शोर से शादी की तैयारियां चल रही हैं। शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य अपने डी-डे पर आठ घंटे लंबी रस्में निभाएंगे। इनकी शादी पारंपरिक तरीके से होगी और पुरानी परंपराओं का खास तौर से ध्यान रखा जाएगा। शादी के दिन शोभिता कांजीवरम सिल्क की साड़ी पहनेंगी, जिस पर सोने से जरी का काम है। शोभिता अपनी शादी की तैयारी खुद निजी तौर पर कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक शोभिता अपनी शादी की तैयारियों में तेलुगु परंपराओं की विरासत का खासतौर पर ख्याल रख रही हैं।

भोजपुरी

बिग बॉस फेम इस भोजपुरी एक्टर ने रचाई शादी

बिग बॉस फेम भोजपुरी अभिनेता-गायक दीपक ठाकुर ने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की है। वे विवाह बंधन में बंध गए हैं। अभिनेता ने कल रविवार 24 नवंबर को नेहा चौबे के साथ शादी रचाई है। दीपक ने प्री-वेडिंग से लेकर, तिलक और अब बरात व शादी की तस्वीरें फैंस के साथ साझा की हैं। उन्होंने पारंपरिक तरीके से शादी रचाई है। दीपक ठाकुर बिहार के मुजफ्फरपुर से आते हैं। वे अपनी गायिकी के लिए मशहूर हैं। दीपक ठाकुर रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 12वें सीजन में बतौर प्रतिभागी हिस्सा ले चुके हैं। इस शो के जरिए उन्हें काफी लोकप्रियता मिली। दीपक ने गैंग ऑफ वासेपुर, भईया जी समेत कई फिल्मों में गाने गाए हैं। दीपक ठाकुर की दुल्हन का नाम नेहा चौबे है। नेहा के इंस्टाग्राम हैंडल से मिली जानकारी के मुताबिक वे सोशल वर्कर हैं। आज सोमवार को दीपक ठाकुर ने दुल्हन की विदाई कराकर अपने घर लौटते हुए का वीडियो फैंस के साथ साझा किया है। इसके साथ उन्होंने अपनी हमसफर नेहा को टैग करते हुए कैप्शन लिखा है, 'शादी मुबारक'। वीडियो में नेहा और दीपक कार में बैठे नजर आ रहे हैं। गाना चल रहा है, 'मुड़ के ना देखो दिलबरो'। जीवन की नई पारी की शुरुआत पर फैंस खूबसूरत जोड़ी को शुभकामनाएं दे रहे हैं। यूजर लिख रहे हैं, 'बहुत प्यारी जोड़ी है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'जिंदगी का नया सफर बहुत-बहुत मुबारक हो'।

दिल्ली समेत भारत के कई राज्यों में ठंड ने दस्तक दे दी है और धीरे-धीरे ये बढ़ती जा रही है। ऐसे में ठंड के दिनों में स्टाइलिश दिखना है तो खुशी कपूर के लुक्स से इंस्पिरेशन लें। इस लुक में खुशी कपूर ने पीले रंग के एक स्वेटर को कैरी किया है, जो थोड़ी लूज फिटिंग में है। इस तरह के स्वेटर को आप लूज फिटिंग जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। ये काफी अच्छा लगता है। ठंड से बचने के लिए स्वेटर के नीचे एक वॉर्मर या फिर गर्म टी शर्ट भी पहन सकती हैं। खुशी ने सफेद क्रॉप स्वेटर को प्लीटेड स्कर्ट के साथ स्टाइल किया है। ये स्वेटर रग्ड लुक में है। इस आउटफिट के साथ बरगंडी बूट्स को स्टाइल किया है। पार्टी में इस तरह के आइकॉनिक लुक को क्रिए किया जा सकता है। इस लुक को पूरा करने के लिए खुशी ने बालों को खुला रखा है। इसी के साथ पिंक लिपस्टिक और पिंक गाल काफी खिल रहे हैं।

मुंहासों के दाग हटाने के लिए इन 5 तरीकों से मुलेठी तेल का करें इस्तेमाल

मुंहासों के दाग और काले धब्बे चेहरे की सुंदरता को कम कर सकते हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए कई उपाय होते हैं, लेकिन प्राकृतिक उपाय सबसे सुरक्षित और प्रभावी माने जाते हैं। मुलेठी का तेल एक ऐसा एसेंशियल ऑयल है, जो त्वचा को साफ और चमकदार बनाने में मदद करता है। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे आप मुलेठी तेल का इस्तेमाल करके अपने चेहरे से काले धब्बे हटा सकते हैं।

मुलेठी तेल से चेहरे की सफाई : मुलेठी तेल में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा को साफ करने में मदद करते हैं। इसके लिए सबसे पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें ताकि पोर्स खुल जाएं, फिर कुछ बूंदें मुलेठी तेल की लेकर हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर मालिश करें। इसे 10-15 मिनट तक छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। नियमित रूप से ऐसा करने पर आपके चेहरे की रंगत निखर जाएगी और काले धब्बे धीरे-धीरे कम हो जाएंगे।

मास्क बनाकर लगाएं : मुलेठी तेल का मास्क बनाकर लगाने से भी काले धब्बों पर असर होता है। इसके लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में कुछ बूंदें मुलेठी तेल मिलाएं और थोड़ा-सा गुलाब जल डालकर पेस्ट बना लें, फिर इस पेस्ट को अपने पूरे चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट तक सूखने दें। अब चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह मास्क त्वचा को गहराई तक साफ करता है और दाग-धब्बों को हल्का करता है।

स्क्रब बनाकर इस्तेमाल करें

मुलेठी तेल का स्क्रब बनाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा निखर सकती है। इसके लिए शक्कर या ओट्स पाउडर में कुछ बूंदें मुलेठी तेल मिलाएं और हल्का-सा गुलाब जल डालकर स्क्रब तैयार करें। इस स्क्रब को हल्के हाथों से अपने पूरे चेहरे पर मलें, खासकर उन जगहों पर जहां काले धब्बे हों, फिर ठंडे पानी से धो लें।

मॉइस्चराइजर के साथ मिलाएं

अगर आप रोजाना नमी देने वाला इस्तेमाल करते हैं तो उसमें कुछ बूंदें मुलेठी का तेल मिला सकते हैं। इसके लिए हथेली पर थोड़ी मात्रा में नमी देने वाला लें, उसमें 2-3 बूंदें मुलेठी का तेल मिलाएं और अच्छे से मिक्स करके पूरे चेहरे पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा नमी बनी रहेगी और धीरे-धीरे दाग भी कम होंगे। ध्यान रखें कि किसी भी नए उपाय का उपयोग करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें ताकि कोई एलर्जी ना हो।

फिटकरी के इस्तेमाल से चेहरे पर आएगी रौनक इस तरह से करें यूज हो जाएगी स्किन ब्राइट

फिटकरी के बारे में तो आपने सुना ही होगा, ये कई घरेलु नुस्खों में भी काम आता है। क्या आपको पता है फिटकरी स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को ठीक करने में काफी फायदेमंद होती है। आइए जानते है फिटकरी स्किन प्रॉब्लम दूर करने में कैसे इस्तेमाल किया जाता है। हम आपको आज फिटकरी से एक ऐसा फेस पैक बनाने तरीका बताएंगे, जो आपके चेहरे से दाग-धब्बों को हटाने के साथ आपकी त्वाचा को निखारने में भी मदद करेगी। फिटकरी सदियों से त्वचा की केयर के लिए यूज किया जाने वाला एक नेचुरल प्रोडक्ट है, जिसमें एंटीसेप्टिक और एसट्रिंजेंट गुण होते हैं जो स्किन को साफ करके उसे स्वस्थ और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। ये हमारे चेहरे से कील-मुंहासों को कम करने, स्किन को टाइट कर फाइन लाइंस को हल्का करने और ब्राइट स्किन पाने में मदद करता है।

सामग्री

फिटकरी पाउडर- 1 चम्मच
बेसन- 2 चम्मच
गुलाब जल- 4 चम्मच
कच्चा दूध- जरूरत अनुसार

विधि : इस नुस्खे का उपयोग करने से पहले सुनिश्चित करें कि आपकी त्वचा पर कोई एलर्जी या समस्या न हो। सबसे पहले एक कटोरी लें और उसमें बेसन, आधा चम्मच फिटकरी और गुलाब जल डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर इसमें जरूरत अनुसार कच्चा दूध मिलाएं और एक स्मूथ पेस्ट तैयार करें।

अब इस पैक को अपने चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट तक सूखने के लिए छोड़ दें। जब समय पूरा हो जाए, तो फेस वॉश से धो लें। इससे आपके चेहरे पर निखार आएगा और स्किन सॉफ्ट हो जाएगी। इस नुस्खे का इस्तेमाल आप हफ्ते में 1-2 बार कर सकती हैं, लेकिन ध्यान रखें कि फिटकरी त्वचा को सूखा बना सकती है, इसलिए इसका उपयोग हफ्ते में 2 बार ही करें। अगर आपकी त्वचा पर कोई समस्या है, तो इसे उपयोग करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना न भूलें।

शादी के दिन दूल्हे राजा पहन सकते हैं ये एक्सेसरीज, लुक बन जाएगा और भी शानदार

शादी हर पुरुष के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है, जब वे अपनी दुल्हन को घर लाते हैं। दूल्हे इस खास अवसर की तैयारी करते समय सारा ध्यान परिधान और जूतों पर लगा देते हैं। हालांकि, शादी वाले लुक को शानदार बनाने के लिए एक्सेसरीज पहनना भी जरूरी होता है। इनके जरिए आपका लुक निखर सकता है और आप राजा की तरह शाही दिख सकते हैं। शादी के टिप्स और फैशन टिप्स में जानिए दूल्हों के लिए एक्सेसरीज।

सिर पर सजाएं साफा, सेहरा और कलगी : शादी के दिन दूल्हों का लुक बिना साफे और सेहरे के अधूरा रहता है। अपनी शेरवानी से मेल खाते हुए रंग का साफा बंधवाएं और उसपर कोई लटकन वाला सेहरा सजा लें। अपने संपूर्ण लुक

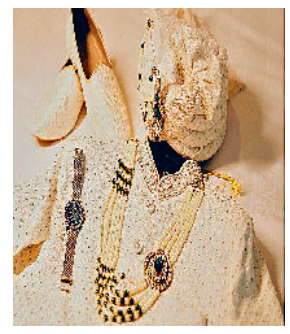

में एक अधिक शाही स्पर्श जोड़ने के लिए साफे के ऊपर कलगी भी लगाएं। यह एक तरह का ब्रोच होता है, जिसमें अलग-अलग रंगों वाले चमकीले नग आदी लगे होते हैं।

ओढ़ें शाही दिखने वाला स्टोल : दूल्हों को अपनी शादी की शेरवानी के ऊपर एक शानदार दिखने वाला स्टोल भी स्टाइल करना चाहिए। अपनी दुल्हन के लहंगे के रंग से मेल खाता हुआ स्टोल ओढ़ें। इससे आप दोनों के परिधान एक दूसरे से मेल खाएंगे और आपको शाही लुक भी मिलेगा। आप आकर्षक दिखने के लिए मखमल, सिल्क या बनारसी सिल्क का स्टोल ओढ़ सकते हैं।

गले में पहनें मोतियों वाला हार: दुल्हनें अपनी शादी के दिन गले में हार पहनती हैं और कई तरह के जेवर स्टाइल करती हैं। हालांकि, इन दिनों दूल्हे भी शादी के दिन हार पहनना पसंद करने लगे हैं। पुराने समय में राजा-महाराजा हार पहना करते थे, जो चलन एक बार फिर लौटकर आ रहा है। आप अपनी शेरवानी पर खूबसूरत दिखने वाला मोतियों का हार या कुंदन का हार स्टाइल कर सकते हैं।

रिसेप्शन में स्टाइलिश और अलग दिखने के लिए पुरुष चुन सकते हैं ये परिधान

शादी का रिसेप्शन एक खास मौका होता है, जहां हर कोई अपने सबसे अच्छे कपड़े पहनना चाहता है। भारतीय पुरुषों के लिए सही कपड़े चुनना कभी-कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी फैशन टिप्स देंगे, जिससे आप अपने रिसेप्शन लुक को बेहतरीन बना सकें। सही कपड़ों का चयन करने से लेकर गहनों तक, हम हर पहलू पर ध्यान देंगे ताकि आप इस खास दिन पर सबसे आकर्षक दिखें।

सूट का चयन करें : शादी के रिसेप्शन पर सूट पहनना हमेशा एक अच्छा विकल्प होता है। सूट न केवल आपको स्मार्ट दिखाता है बल्कि यह आरामदायक भी होता है। सूट का रंग चुनते समय ध्यान रखें कि वह आपकी त्वचा के रंग से मेल खाता हो। गहरे रंग जैसे नेवी ब्लू या चारकोल ग्रे हमेशा अच्छे लगते हैं। इसके साथ सफेद शर्ट और मैचिंग टाई पहनें ताकि आपका लुक पूरा हो सके।

बंदगला जैकेट आजमाएं: अगर आप पारंपरिक और आधुनिकता का मिश्रण चाहते हैं तो बंदगला जैकेट एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह न केवल आपको शाही अंदाज देता है बल्कि बहुत ही स्टाइलिश भी लगता है। बंदगला जैकेट को धोती या चूड़ीदार पायजामा के साथ पहन सकते हैं। इसके साथ जूतियां या मोचरी पहनकर अपना लुक पूरा करें। आप चाहें तो इसके साथ हल्के गहने भी पहन सकते हैं, जैसे कि कफलिंक या ब्रेसलेट, जो आपके लुक को और खास बनाएंगे।

कुर्ता-पायजामा पहनें : कुर्ता-पायजामा हमेशा से ही भारतीय शादी समारोहों में लोकप्रिय रहा है। अगर आप कुछ सरल और पारंपरिक चाहते हैं तो कुर्ता-पायजामा आपके लिए सही रहेगा। सिल्क या सूती कुर्ते चुनें, जिनपर हल्की कढ़ाई की गई हो ताकि वे आकर्षक लगें। इसके साथ मैचिंग पायजामा और जूतियां पहनकर अपना लुक पूरा करें। आप चाहें तो इसके साथ एक हल्का दुपट्टा भी ले सकते हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

शेरवानी का चयन करें : शेरवानी एक ऐसा परिधान है, जो किसी भी शादी समारोह में आपको सबसे अलग दिखाएगा। शेरवानी को चुनते समय ध्यान रखें कि उसकी फिटिंग सही हो और वह आपके शरीर पर अच्छी तरह बैठे। इसके साथ चूड़ीदार पायजामा या धोती पहनी जा सकती है, जिससे आपका लुक पूरी तरह से पारंपरिक लगेगा। शेरवानी के साथ मैचिंग जूतियां पहनें और चाहें तो हल्के गहने जैसे कफलिंक या ब्रेसलेट भी जोड़ सकते हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

एक्सेसरीज का उपयोग करें : अच्छे कपड़ों के साथ सही एक्सेसरीज भी जरूरी होती हैं ताकि आपका लुक पूरा लगे। घड़ी, कफलिंक, पॉकेट स्क्वायर जैसी छोटी-छोटी चीजें आपके कपड़ों को खास बना सकती हैं।

कार्नर न्यूज

न केवल सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि एक खास पहचान भी देती है

महिलाओं के लिए पारंपरिक तरीके से पगड़ी बांधने के सरल टिप्स, सुंदरता के साथ-साथ देती है खास पहचान

पारंपरिक पगड़ी भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। यह न केवल सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि एक खास पहचान भी देती है। आजकल महिलाएं भी पगड़ी पहनने का चलन अपना रही हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और उपयोगी टिप्स देंगे, जिससे आप अपनी पगड़ी को सही तरीके से बांध सकें और उसे स्टाइलिश बना सकें। सही कपड़े का चुनाव, सिर की माप लेना, परतों को सही तरीके से रखना और सजावट जोड़ना जैसे टिप्स आपकी मदद करेंगे।

सही कपड़े का चुनाव करें

पगड़ी बांधने के लिए सही कपड़े का चुनाव बहुत जरूरी है। सूती या रेशमी कपड़ा सबसे अच्छा होता है क्योंकि यह हल्का और आरामदायक होता है। सूती कपड़ा गर्मियों में ठंडक देता है, जबकि रेशमी कपड़ा सर्दियों में गर्माहट बनाए रखता है। इसके अलावा रंगों का चयन भी महत्वपूर्ण होता है। अपने परिधान के अनुसार विपरीत या मेल खाते रंग चुनें ताकि आपका लुक आकर्षक लगे।

सिर की माप लें

पगड़ी बांधने से पहले अपने सिर की माप लेना जरूरी होता है ताकि पगड़ी ठीक से फिट हो सके। इसके लिए एक माप पट्टी लें और अपने सिर के चारों ओर नाप लें जहां आप पगड़ी बांधना चाहती हैं। इससे आपको पता चलेगा कि कितनी लंबी और चौड़ी पगड़ी चाहिए। सही माप लेने से पगड़ी पहनने में आसानी होगी और यह आपके सिर पर अच्छी तरह टिकेगी, जिससे आपका लुक भी बेहतरीन लगेगा।

परतों को सही तरीके से रखें

पगड़ी बांधते समय परतों को सही तरीके से रखना बहुत अहम होता है ताकि वह अच्छी तरह बंध सके और खुलने न पाए। सबसे पहले एक छोर को पकड़कर सिर पर रखें, फिर धीरे-धीरे दूसरी तरफ ले जाकर उसे लपेटें। हर बार जब आप लपेटें तो ध्यान दें कि परतें समान रूप से हों और कोई ढीलापन न हो। इसके अलावा अंत में पिन का उपयोग करें ताकि पगड़ी मजबूती से बंधी रहे।

सजावट जोड़ें

अगर आप अपनी पगड़ी को थोड़ा खास बनाना चाहती हैं तो उसमें सजावट जोड़ सकती हैं जैसे मोती, गोटा-पट्टी या कढ़ाई वाला किनारा लगाएं। इसके अलावा आप रंग-बिरंगे धागों से भी सजावट कर सकती हैं। इससे आपकी पगड़ी अधिक आकर्षक लगेगी और आपके पूरे लुक में चार चांद लग जाएंगे। आप चाहें तो छोटे-छोटे

अभ्यास करें

पहली बार में ही पूरी तरह से सही पगड़ी बंधना मुश्किल हो सकता है इसलिए धैर्य रखें और अभ्यास करते रहें। जितना अधिक अभ्यास करेंगी उतनी ही जल्दी आपको इसमें महारत हासिल होगी। आप अलग-अलग स्टाइल और तरीके आजमाकर देख सकती हैं ताकि आपको सबसे अच्छा तरीका मिल सके। इस प्रकार इन सरल टिप्स की मदद से आप आसानी से पारंपरिक पगड़ी बांध सकती हैं, जो न केवल सुंदर दिखेगी बल्कि आरामदायक भी होगी।